हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, सोमवार 27 अप्रैल 2026

खबर संक्षेप

शराब की अवैध बिक्री दो आरोपी गिरफ्तार

आरंग। आरंग पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ग्राम भानसोज तिगड़ा चौक पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने मोटर सायकल स्प्लेण्डर क्रमांक सीजी 04 एनएफ 2887 से अवैध रूप से देशी मसाला शराब ले जाते हुए अरूण घृतलहरे, 27 वर्ष एवं देवनारायण घृतलहरे, 28 वर्ष निवासी ग्राम नरसिंगपुर घोंट को पकड़ा। आरोपियों के कब्जे से 180 एमएल की 53 सीलबंद शीशी, कुल 9.540 बल्क लीटर शराब कीमत 9000 तथा परिवहन में प्रयुक्त बाइक कीमत 25,000, कुल 34,000 का मशरूका जब्त किया गया। आरोपियों के विरुद्ध थाना आरंग में अपराध क्रमांक 222/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

नाबालिग बालिका से दुष्कर्म, युवक गिरफ्तार

आरंग। थाना आरंग क्षेत्र के ग्राम फरफौद में नाबालिग बालिका से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। 23 अप्रेल को सुबह माता-पिता के काम पर जाने के बाद आरोपी सागर धीवर (20 वर्ष) ने घर में अकेली रह रही नाबालिक बालिका को अपने घर बुलाकर दुष्कर्म किया। परिजनो के घर लौटने पर भाई ने मां को घटना की जानकारी दी। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना आरंग पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 अप्रेल को आरोपी सागर धीवर पिता राजकुमार धीवर निवासी फरफौद को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

आग लगने से सगुनी में 50 ट्रैक्टर पैरा खाक

तरपोंगी। समीपस्थ ग्राम सगुनी में शनिवार को रात्रि अवध राम यदु के खलिहान में रखे पैरावट में आग लगने से लगभग 50 ट्रेक्टर पैरा जल कर राख हो गया। इसकी सूचना मिलते ही क्षेत्र के जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा ने धरसींवा थाना प्रभारी राजेन्द्र दिवान को सूचना दी उन्होंने तत्काल फायर ब्रिगेड गाड़ी व पेट्रोलिंग टीम भेजवा कर आग पर काबू पाया गया। इसकी मदद से बड़ी घटना टल गई जहां आग लगी इसके आस पास आवासीय मकान व अन्य पैरावट भी थे।

निधन

गोविंद दास डागा

आरंग। आरंग के समाजसेवी 84 वर्षीय गोविंद दास डागा का निधन आरंग में 23 अप्रेल को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। वे अतुल एवं अखिल कुमार के पिता एवं घनश्याम दास एवं गोपी दास के अग्रज थे।

मुक्त एचपीवी टीका किशोरियों को साइन सर्वाइकल कैंसर से बचाने में अहम

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा-नेवरा

बेटियों के सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत कर दी है। इस पहल का उद्देश्य किशोरियों को गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल कैंसर) जैसी गंभीर बीमारी से समय रहते बचाव प्रदान करना है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि हर माता-पिता के उस भरोसे की रक्षा है, जो वे अपनी बेटियों के स्वस्थ और सुरक्षित जीवन के लिए रखते हैं।राष्ट्रीय अभियान से जुड़ते हुए छत्तीसगढ़ भी अब उन राज्यों में शामिल हो गया है, जो सर्वाइकल कैंसर को जड़ से समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार,

भ्रांतियों से दूर रहें, बेटियों को दिलाएं सुरक्षा कवचः बीएमओ की अपील

जिले में व्यापक उपलब्धता

जिले में एचपीवी वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है। अब यह टीका प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज अस्पताल और एम्स सहित सभी प्रमुख शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध है। यू-विन डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पंजीयन, ट्रैकिंग और टीकाकरण प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि एचपीवी वैक्सीन वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, पूर्णतः सुरक्षित और अत्यंत प्रभावी है। यह न केवल तुरंत सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि लंबे समय तक सर्वाइकल कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निशुल्क सुविधा से राहत

निजी अस्पतालों में इस वैक्सीन की एक खुराक की कीमत लगभग 4000 तक होने के कारण यह कई परिवारों के लिए महंगी साबित होती थी। आर्थिक कारणों से कई अभिभावक अपनी बेटियों का टीकाकरण नहीं करवा पाते थे। अब स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह टीका निशुल्क उपलब्ध कराए जाने से मध्यम वर्ग और जरूरतमंद परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

बीएमओ की अपील

तिल्दा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर ने कहा कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है और इसके गंभीर दुष्प्रभाव बेहद दुर्लभ हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रांतियों में न आएं और अपनी बेटियों को समय पर टीका लगवाकर उन्हें इस जानलेवा बीमारी से सुरक्षित करें।

गर्भाशय ग्रीवा कैंसर महिलाओं में होने वाले कैंसरों में दूसरा सबसे आम कैंसर है, जो मुख्य रूप से एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) संक्रमण के कारण होता है। इस बीमारी की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शुरुआती चरण में इसके स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे यह अक्सर गंभीर अवस्था में पहुंच जाता है।

मौसम: दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा, शाम से देर रात तक हवाओं में तपिश

वैशाख की भीषण गर्मी ने किया बेहाल तापमान 43 के पार, जल संकट गहराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

मई का महीना अभी शुरू भी नहीं हुआ है और गर्मी ने अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। अप्रैल में ही पारा 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।पिछले चार दिनों से शहर का तापमान लगातार 41 डिग्री से ऊपर बना हुआ है। सोमवार को तो हालात और भी भयावह रहे—दोपहर 12 बजे से पहले ही तापमान 42 डिग्री पार कर गया, जबकि दोपहर 2 बजे के बाद भी पारा 43 डिग्री के आसपास पहुंच गया ।

- मौसम और स्वास्थ्य विभाग ने किया सावधान

भीषण गर्मी के चलते लोगों की दिनचर्या पूरी तरह बदल गई है। लोग अपने जरूरी काम सुबह 12 बजे से पहले ही निपटा रहे हैं और इसके बाद घरों में दुबकने को मजबूर हैं। शाम 7 बजे के बाद ही सड़कों पर फिर से हलचल देखने को मिल रही है।दोपहर के समय व्यस्त रहने वाली सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है। बाजार सूने हैं और गर्म हवाओं के थपेड़े लोगों को घरों में कैद कर रहे हैं।

पानी का संकट गहराया

गर्मी के बढ़ते प्रकोप के बीच जल संकट भी गंभीर होता जा रहा है। शहर के ज्यादातर हैंडपंप सूख चुके हैं, जबकि सरकारी नलों से मात्र 5 से 10 मिनट ही पानी मिल पा रहा है। ऐसे में लोगों को पीने के पानी के साथ-साथ दैनिक उपयोग के लिए भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड 16 निवासी सरला देवी ने बताया की बोर से पानी कम निकल रहा है 15 मिनट तक चलने के बाद पंप पानी के बदले हवा छोड़ने लगता है इसलिए /"पानी के लिए सुबह 4बजे उठाना पड़ता है .सुबह बोर .से पानी का फोर्स ठीक रहता है ।..वार्ड 17 में पानी की समस्या है दो बाल्टी पानी के लिए लाइन लगानी पड़ रही है, फिर भी पर्याप्त नहीं मिल रहा/" – यह रहने वाली द्रोपती साहू ने बताया महल्ले में पानी की बड़ी समस्या है।

लू जैसे हालात, स्वास्थ्य पर खतरा

लोगो का कहना है की अभी अप्रैल में ये हाल है, तो मई-जून में क्या होगा सोचकर ही डर लग रहा है/" – धूप ऐसी लग रही है जैसे आसमान से आग बरस रही हो/" –/"दोपहर में बाहर निकलना मतलब खुद को आग के हवाले करना है/"। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लू जैसे हालात बनते जा रहे हैं। डॉक्टरों ने लोगों को दोपहर में घर से बाहर न निकलने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस साल मई और जून में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ने की आशंका जताई गई है। सामान्य तौर पर इन महीनों में 3 से 7 हीट वेव डे दर्ज होते हैं, लेकिन इस बार इनकी संख्या औसतन 5 से 7 दिन अधिक हो सकती है। मौजूदा हालात साफ इशारा कर रहे हैं कि आने वाला समय और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अप्रैल में ही जिस तरह की भीषण गर्मी देखने को मिल रही है, वह जून में आने वाले संकट की सिर्फ शुरुआत मानी जा रही है। गर्मी अब मौसम नहीं, मुसीबत बन चुकी है और इसका असली इम्तिहान अभी बाकी है।

भीषण गर्मी में पीएम आवासों का निर्माण अंचल में द्रुतगति से जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

झुलसाती गर्मी, सिर पर तेज धूप और तापमान की मार लेकिन इन सबके बीच भी मजदूरों के हौसले ठंडे नहीं पड़ रहे हैं। सुबह सूरज निकलते ही काम पर जुटे ये श्रमिक दोपहर 2 बजे तक लगातार पसीना बहा रहे हैं। उनके लिए यह सिर्फ काम नहीं, बल्कि अपने परिवार के पेट और भविष्य की लड़ाई है। इन दिनों गांव-गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण कार्य जोर-शोर से चल रहा है। कच्चे घरों को पक्के आशियाने में बदलने का सपना अब तेजी से हकीकत बनता दिख रहा है। हर गली-मोहल्ले में ईंट, गिट्टी और सीमेंट के बीच मजदूरों की मेहनत साफ झलक रही है।दोपहर की चिलचिलाती धूप में जहां आमजन घरों में दुबक जाते हैं, वहीं मजदूर खुले आसमान के नीचे दीवारें खड़ी कर रहे हैं। सिर पर गमछा, हाथों में औजार और चेहरे पर थकान के बावजूद काम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता देखने लायक है। कई मजदूर बताते हैं कि अगर काम नहीं करेंगे तो घर कैसे चलेगा..? यही सोच उन्हें हर दिन नई ताकत देती है।

- तपती दोपहर में श्रमिक निर्माण के लिए बहा रहे हैं पसीना

सपने को कर रहे हैं साकार

सरकार की इस योजना ने गरीब परिवारों के लिए पक्के घर का सपना साकार करने का रास्ता खोल दिया है। लेकिन इस सपने को जमीन पर उतारने का असली श्रेय इन मेहनतकश हाथों को जाता है, जो दिन-रात जुटे हुए हैं। हर ईंट के साथ उनका पसीना भी जुड़ा है, जो इस निर्माण को और भी मूल्यवान बना देता है।इस योजना के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरी के अवसर भी बढ़े हैं। स्थानीय लोगों को गांव में ही काम मिल रहा है, जिससे पलायन की समस्या में भी कुछ हद तक कमी आई है। महिलाएं भी इस काम में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं, जो आत्मनिर्भरता की ओर एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि भीषण गर्मी में लगातार काम करना आसान नहीं है। पर्याप्त पानी, छांव और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी कई बार मजदूरों के लिए मुश्किलें खड़ी करती है। ऐसे में जरूरत है कि संबंधित विभाग और ठेकेदार श्रमिकों की सुविधा और सुरक्षा का भी ध्यान रखें। तपती दोपहरी में बहता यह पसीना सिर्फ ईंट-गारे को नहीं जोड़ रहा, बल्कि हजारों गरीब परिवारों के सपनों को मजबूत नींव दे रहा है। मजदूरों की यह मेहनत ही असल में "पक्का घर" के सपने को साकार कर रही है।

लक्ष्मी विहार कॉलोनी सहित कई गांवों में भीषण जलसंकट

आरंग। राजा मोरध्वज की पावन नगरी आरंग नगरपालिका अन्तर्गत लक्ष्मी विहार कॉलोनी वासियों को गम्भीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी में तापमान 44 डिग्री पर पहुंचने पर जहां एक ओर भूजल स्तर गिरने लगा है वहीं बोर सुखने लगे हैं जिसके कारण कॉलोनी में पेयजल की समस्या बनी हुई है। भीषण गर्मी के दस्तक देते ही रीवा, लखौली, कुकरा आदि ग्रामों में भी जल संकट के बादल मंडराने लगे हैं। जल ही जीवन है सुबह होते ही कॉलोनी वासियों को पेय जल हेतु पानी टैंकर की प्रतीक्षा करनी पड़ती है, कॉलोनी विकास समिति द्वारा सम्बंधित विभाग को दो-तीन बार इस गम्भीर जल संकट से अवगत कराया जा चुका है। प्रवक्ता पं छत्रधर दीवान ने कहा कि प्रकृति के पांच तत्वों में जल प्रमुख कारक है जल है तो कल है समय रहते अगर जागरूक नहीं हुए तो प्रकृति के मनमाने दोहन से निकट भविष्य में बहुत गंभीर परिणाम होंगे कॉलोनी

अध्यक्ष पवन कुमार चंद्राकर, मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता पं छत्रधर दीवान, पूर्व अध्यक्ष मोहन साहू, प्रदीप अग्रवाल, प्रफुल्ल मांझी, महेंद्र अरोरा, कमलकांत बंजारे, मोहित यादव, चूड़ामणि यादव, महिला मोर्चा से अमरीका साहू, सीमा निषाद, लीना चंद्राकर, किरण दीवान, नीतू वर्मा, जागृति चंद्राकर, सरोज साहू आदि ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पेयजल समस्या से अवगत कराते हुए कॉलोनी में अविलंब नल कलेक्शन की मांग की है।

गौ सम्मान पदयात्रा नगर में आज निकाली जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

अखण्ड भारत में गौ सम्मान अभियान चलाया जा रहा है।जिसमे 27 अप्रैल को पूरे देश में गो सम्मान दिवस के अवसर पर गोभक्त अपने अपने तहसीलों में महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम से उच्चाधिकारियो को ज्ञापन सौंपेंगे इसमें मुख्य मांग गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा, गौवंश रक्षा हेतु केंद्रीय कानून, भारतवर्ष में गौहत्या पर पूर्ण पाबंदी तथा भारत के प्रत्येक प्रांत में एक चारागाह की व्यवस्था शामिल है। इसी कड़ी में दानवीर मोरध्वज की पावन नगरी आरंग में भी कल 27 अप्रैल सोमवार को गोभक्त कुमारेश्वर महादेव मंदिर से प्रातः 10 बजे एक गौ पद यात्रा निकाल कर इस विषय में आरंग एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपेंगे। इस अभियान से जुड़े गौ भक्तो ने बताया कि क्षेत्र के गौभक्त एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में इस गौसम्मान अभियान यात्रा में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि कृषि प्रधान भारतवर्ष में गौ गंगा गीता की बड़ी महिमा है सौ वेदज्ञ ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान देने जो पुण्य की प्राप्ति होती है वही पुण्य एक भूखी गाय को भरपेट चारा खिलाने से प्राप्त होता है। गौमाता के तृप्त होने पर देवता ऋषि पितर सभी तृप्त होते हैं गौमाता की देह में 33 कोटि देवी देवताओं का वास होता है इस दृष्टि से एक गौमाता की सेवा पूजा से सभी देवगण प्रसन्न हो जाते हैं गौवंश की सेवा सुरक्षा सम्मान से भारतीय संस्कृति की रक्षा होगी और भारत एक बार फिर विश्व गुरु बनेगा इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु यह अभियान चलाया जा रहा है।

5वीं-8वीं की केंद्रीयकृत परीक्षा के नतीजे 30 को

आरंग। विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र के समापन और परीक्षा परिणामों को लेकर संकुल केंद्र खमतराई में एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। इस बैठक में संकुल प्राचार्य टिकेश्वरी चंद्राकर एवं संकुल समन्वयक हरीश दीवान ने स्थानीय परीक्षाओं के परिणामों की गहन समीक्षा की। बैठक के दौरान कक्षा 1, 2, 3, 4 एवं कक्षा 6, 7 के परीक्षा परिणामों का सूक्ष्म अवलोकन किया गया। आवश्यक सुधारों के बाद प्राचार्य द्वारा परिणामों को अनुमोदित किया गया। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि परीक्षा परिणाम घोषित करते समय शाला विकास समिति के सदस्यों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाए।, केंद्रीयकृत परीक्षा कक्षा 5वीं व 8वीं के परिणाम भी आगामी 30 अप्रैल को ही घोषित किए जाएंगे, प्रत्येक कक्षा में प्रथम,

द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की प्रमाणित जानकारी संकुल को प्रेषित करनी होगी. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शिक्षकों के कौशल विकास पर जोर देते हुए संकुल प्राचार्य ने निर्देशित किया कि कर्मयोगी पोर्टल' पर प्रत्येक शिक्षक को कम से कम 3 कोर्स पूर्ण करना अनिवार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। संकुल समन्वयक हरीश दीवान ने जानकारी दी कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 30 अप्रैल को 'सत्र मिलन' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। उन्होंने संकुल के समस्त शिक्षकों को इस कार्यक्रम में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रधान पाठक गण तारावती बंजारे,के के साहू, लक्षण लहरी, नरसिंह दास मानिकपुरी, अरविंद वैष्णव, दिगम्बर बरिहा एवं शिक्षक गण तारकेश्वर डडसेना, पुनेश्वर साहू, भूषण जलक्षत्रि, सुंदरलाल साहू, विनोद यादव, नोहर लाल यादव, प्रभा जलक्षत्रि हेमा बंजारे आदि की उपस्थिति रही।

लखोली क्रिकेट के ओपनिंग मैच में मुंगेशर टीम की जीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

रॉयल्स क्रिकेट क्लब लखोली और समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से आयोजित ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का शानदार शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाजपा मंडल अध्यक्ष (आरंग) देवनाथ साहू ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष दिनेश चंद्राकर, मंडल मंत्री धनंजय साहू, सरपंच हीरामन साहू, शाला विकास समिति अध्यक्ष शेखर साहू सहित भाजपा कार्यकर्ता तोरण साहू, लोकेश चंद्राकर, रत्थू साहू और कमलेश पुरेना विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने फीता काटकर और खिलाड़ियों से आत्मीय परिचय प्राप्त कर खेल का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता के उद्घघाटन के बाद देवनाथ साहू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे आयोजनों से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने स्पष्ट

किया कि हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण टीम भावना और अनुशासन है, इसलिए खेल को सदैव खेल भावना के साथ ही खेलना चाहिए। उन्होंने युवाओं से नशे की बुराई से दूर रहने और खेलों में अपनी ऊर्जा लगाने का आह्वान भी किया। उद्घाटन के पश्चात पहला मुकाबला ग्राम मुंगेशर और मंदिर हसौद के बीच खेला गया। दोनों ही टीमों ने मैदान पर बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, जिसमें अंततः ग्राम मुंगेशर की टीम विजयी रही। आयोजन समिति के संयोजक प्रकाश ठाकुर ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित टीमें शामिल हो रही हैं और यह आयोजन आने वाले कुछ दिनों तक निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

खाद वितरण की टोकन प्रणाली से किसानों की मुसीबत बढ़ी

आरंग। प्रदेश सरकार द्वारा खेती-किसानी को डिजिटल पटरी पर लाने की कवायद अब विवादों के घेरे में आ गई है। धान खरीदी की तर्ज पर खाद वितरण के लिए लागू की गई ऑनलाइन टोकन प्रणाली और एग्री स्टैक पोर्टल पर अनिवार्य पंजीयन को लेकर किसानों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। शासन के नए निर्देशों के अनुसार अब किसानों को उनके रकबे के आधार पर ही खाद आवंटित की जाएगी, जिसके लिए नए किसानों को सीएससी केंद्रों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं और पुराने किसानों को अपनी जमीन का रिकॉर्ड अपडेट कराना अनिवार्य कर दिया गया है। पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों में जरा सी भी चूक होने पर किसान खाद के हक से वंचित रह सकता है।

इस नई व्यवस्था पर सहकारी समिति रीवा (लखौली) के पूर्व अध्यक्ष दौलत राम साहू ने तीखा प्रहार करते हुए शासन की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। साहू ने आरोप लगाया कि पिछले ग्रीष्मकालीन फसल सत्र के दौरान शासन ने जानबूझकर खाद की कृत्रिम किल्लत पैदा की थी। उन्होंने कहा कि इसके पीछे सरकार की मंशा पूरी तरह स्पष्ट थी कि जब किसान को समय पर खाद नहीं मिलेगी, तो फसलों का पोषण प्रभावित होगा और पौधे बीमारियों की चपेट में आ जाएंगे। अंततः इसका असर उत्पादन में भारी गिरावट के रूप में सामने आता है, जिससे सरकार को कम धान की खरीदी करनी पड़ती है और वे अपनी जिम्मेदारी से बच जाते हैं। साहू ने अपनी चिरपरिचित शैली में तंज कसते हुए कहा कि पिछली बार खाद की कमी से फसलें बीमार हुई थीं, लेकिन इस बार पोर्टल की जटिलताओं और सर्वर की खराबी के कारण कहीं खुद किसान ही मानसिक बीमारियों की चपेट में न आ जाएं। ग्रामीण इलाकों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या और तकनीकी जानकारी के अभाव के बीच यह ऑनलाइन टोकन प्रणाली किसानों के लिए राहत के बजाय आफत बनती दिख रही है। अब यह देखना चुनौतीपूर्ण होगा कि शासन की यह कथित पारदर्शिता वाली मुहिम किसानों को वाकई लाभ पहुँचाती है या फिर यह 'डिजिटल घेराबंदी' उनकी मुसीबतों को और ज्यादा बढ़ा देती है।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

शदाणी दरबार में महानगर संत समिति की हुई बैठक कई मुद्दों पर की चर्चा

रायपुर। रायपुर राजधानी स्थित शदाणी दरबार में रविवार को रायपुर महानगर संत समिति की बैठक हुई। यह बैठक संत डॉक्टर युधिष्ठिर लाल के नेतृत्व में की गई। बैठक में राजिम कल्प कुंभ की अवस्था, आर्य समाज के बारे में, लव जिहाद धर्मांतरण, गौ हत्या बंद हो इन सभी बातों पर चर्चा की गई। साथ ही रायपुर के संतों को मान-सम्मान के साथ निमंत्रण ना देना जिसकी घोर निंदा भी की गई। बैठक में विलेन की नारायण मंदिर के महंत देवदास, लक्ष्मी नारायण मंदिर के महंत वेद प्रकाश, सुरेश्वर महादेव पीठ के संस्थापक एवं संत महासभा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ स्वामी राजेश्वरानंद, आजीवन निराहार संत गौतम आनंद, महाराज साध्वी सौम्या, सत्यनारायण, भागवत आचार्य, योगी संप्रदाय से भारत योगी, सहायक के रूप में श्री भूषण उपस्थित थे।

एम्स करेगा दिव्यांग बच्चों के दांतों का इलाज, दो से शुरुआत

रायपुर। दांतों की बीमारी से पीड़ित दिव्यांग बच्चों का का एम्स जरूरी उपचार करेगा। इस सुविधा की शुरुआत शुक्रवार को दो दृष्टिबधित बच्चों की दांतों की सफाई और मौखिक स्वास्थ्य के साथ हुई। यह कार्यक्रम बाल एवं निवारक दंत चिकित्सा विभाग द्वारा रायपुर जिले में किए गए विस्तृत महामारी विज्ञान अध्ययन के आधार पर विकसित किया गया है। डब्लूएचओ के अनुसार विश्वभर में लगभग 1.3 अरब लोग दिव्यांगता के साथ जीवन व्यतीत कर रहे हैं। केवल छत्तीसगढ़ में ही लगभग 6.25 लाख दिव्यांगजन निवास करते हैं जिन्हें इस संबंध में आवश्यकता की जरूरत है। दिसंबर 2023 से मार्च 2024 के बीच एम्स ने जिले के 15 शासकीय मान्यता प्राप्त संस्थानों और डे-केयर केंद्रों में अध्ययनरत 3 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 684 बच्चों एवं किशोरों का आकलन किया।

निजी नर्सिंग कालेजों की छात्राओं के भविष्य पर मंडरा रहा खतरा

रायपुर। राज्य के प्रायवेट नर्सिंग कालेजों में पढ़ने वाली छात्राओं के भविष्य पर खतरा मंडर रहा है। ऐसी छात्राओं को दूसरे राज्यों में नौकरी नहीं मिल पा रही जिन्हों आईएनसी की उपयुक्तता प्रमाण पत्र नहीं लेने वाले कालेजों में पढ़ाई की है। राज्य में बीएससी नर्सिंग की 78 सौ के करीब सीटे हैं जिसमें 45 सौ के आसपास को मान्यता है। राज्य में करीब 4 दर्जन निजी कालेज ऐसे हैं जिन्हें इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने मान्यता नहीं दी है। जानकारों का कहना है कि ऐसे कालेजों को नोटिस जारी किया गया है मगर इस पर गंभीरता नहीं दिखाई है।

पिता छांव वट वृक्ष की के तीसरे संस्करण का विमोचन

रायपुर। विश्व पुस्तक दिवस के अवस पर सिविल लाइंस स्थित वृंदावन सभागार में गत दिनों कवि राजेश जैन राही की काव्य कृति 'पिता छांव वट वृक्ष की' के तीसरे संस्करण का विमोचन किया गया। यह विमोचन मुख्य अतिथि कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, मुख्य वक्ता डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग', युवा संस्था के संस्थापक एम. राजीव, प्रखर पत्रकार डॉ. अनिल द्विवेदी, रंगकर्मी आचार्य रंजन मोडक पारस जैन, प्रिया जैन, अनीता जैन ने किया।

पीएम आवास शहरी 2.0 एएचपी घटक के लिए सवा 13 हजार से अधिक मकानों की मंजूरी, केंद्र सरकार का फैसला

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में पीए आवास योजना शहरी 2.0 एएचपी घटक के लिए 13 हजार 361 मकानों की मंजूरी मिली है। यह निर्णय भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित केन्द्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति की 6वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुक्रम में लिया गया है। इसके तहत रायपुर, बीरगांव, बिलासपुर, भिलाई, रिसाली और धमतरी नगर निगम क्षेत्र में मकान बनाए जाएंगे। ये मकान कमजोर आय वर्ग के लोगों के लिए और स्लम के पुनर्वास के लिए बनाए जाएंगे। इसके लिए संबंधित निकायों को राशि जारी कर दी गई है। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के 'भागीदारी में किफायती आवास' (एएचपी) घटक के तहत विभिन्न परियोजनाओं को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस आवंटन के तहत राजधानी रायपुर के नगर निगम को सबसे अधिक आवास का आवंटन किया गया है। इसके बाद के क्रम में बिलासपुर, भिलाई व अन्य निकायों को मंजूरी मिली है।

इस योजना के तहत रायपुर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कोटा, सरोना, लाभाण्डी, शंकरनगर, मठपुरैना और कचना में स्लम पुनर्वास और कमजोर आय वर्ग के लिए हजारों आवासों का निर्माण किया जाएगा। इसी प्रकार अन्य निकायों के मकान उनके क्षेत्र में अलग-अलग हिस्सों में बनाए जाएंगे।

रायपुर, बिलासपुर, भिलाई, बीरगांव, धमतरी, रिसाली में नए मकान

फाइल फोटो

केंद्र-राज्य के अनुदान के बाद हितग्राही देंगे 1.45 लाख

प्रत्येक आवास की कुल लागत लगभग 5.75 लाख रुपये आंकी गई है। इसमें केंद्र सरकार का अंशदान 1.50 लाख रुपये, राज्य सरकार का 2.80 लाख रुपये और हितग्राही का अंशदान 1.45 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। शर्त है कि स्वीकृत परियोजनाओं को स्वीकृति की तिथि से अधिकतम 36 माह के भीतर पूरा करना अनिवार्य होगा। निर्माण कार्य के लिए निविदा आमंत्रित करने से पहले कम से कम 50 प्रतिशत लाभार्थियों का चयन कर उनका विवरण भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज करना आवश्यक है। आवासों के आवंटन में पारदर्शिता बरती जाएगी और दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर भूतल या निचले तलों पर आवास आवंटित किए जाएंगे। इस परियोजना के लिए नगर निगम को रेरा के तहत पंजीकरण कराना और अन्य सभी वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम में बड़ा बदलाव

अब सर्विस सेक्टर को भी मिलेगी औद्योगिक जमीन, हजार मीटर से 25 हेक्टेयर तक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब सर्विस सेक्टर से संबंधित इकाइयों को भी राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में जमीन मिल सकेगी। सबसे छोटे यानी सूक्ष्म उद्योगों को एक हजार मीटर और वृहद उद्योगों के लिए 25 हेक्टेयर तक जमीन देने का रास्ता सरकार ने खोल दिया है। यह व्यवस्था लागू करने के लिए राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम, 2015 में व्यापक संशोधन किया है।

संशोधित नियमों के तहत सेवा क्षेत्र की वैसी इकाइयां, जिनकी स्थापना भूमि उपयोग नियमों के अनुरूप स्वीकृत है, अब औद्योगिक क्षेत्रों में स्थान पा सकेंगी। इसके लिए प्रीमियम की दरें लघु विनिर्माण उद्योग के लिए निर्धारित दरों की न्यूनतम चार गुना या नीलामी दर (जो भी अधिक हो) के आधार पर तय की गई हैं।

एप्रोच रोड की समस्या का समाधान

उद्योगों के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण प्रावधान जोड़ा है। यदि आवंटित भू-खण्ड या निजी औद्योगिक भूमि का सार्वजनिक मार्ग से सीधा संपर्क नहीं है, तो आवंटन प्राधिकारी एप्रोच रोड के लिए आवश्यक न्यूनतम भूमि को पृथक पट्टे पर आवंटित कर सकेंगे।

पीपीपी परियोजनाओं के लिए सीएसआईडी से विशेष अधिकार

फाइल फोटो

किन इकाइयों को कितनी जमीन

संशोधन में उद्यमों की श्रेणी के आधार पर अधिकतम भूमि आवंटन की सीमा भी स्पष्ट की गई है। सूक्ष्म उद्यमः 1,000 वर्गमीटर तक। लघु उद्यमः अधिकतम 1 हेक्टेयर तक। मध्यम उद्यम- अधिकतम 5 हेक्टेयर तक। वृहद उद्यम- अधिकतम 25 हेक्टेयर तक। 100 करोड़ से अधिक निवेश वाले उद्यम- 25 हेक्टेयर से अधिक भूमि की पात्रता रख सकेंगे। नियमों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित अवधि में भूमि का पूर्ण उपयोग नहीं होता है, तो 10 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम देकर 6 माह का समय लिया जा सकता है, अन्यथा अतिशेष भूमि का समर्पण करना होगा।

हस्तांतरण और संगठन परिवर्तन पर राहत

व्यापारियों को राहत देते हुए संगठन के स्वरूप में परिवर्तन (जैसे एकल स्वामित्व से कंपनी बनाना) को अब 'हस्तांतरण' की श्रेणी में नहीं माना जाएगा, बशर्ते मूल आवंटियों का हिस्सा 51 प्रतिशत या उससे अधिक बना रहे। इसके अलावा, बीमार या बंद इकाइयों के लिए सरफेसी एक्ट या एनसीएलटी के माध्यम से होने वाली नीलामी में नवीन आवंटियों को केवल 10 प्रतिशत हस्तांतरण शुल्क देना होगा।

पीपीपी परियोजनाओं के लिए नए अधिकार

राज्य सरकार ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के संचालक मंडल को विशेष अधिकार दिए हैं। अब सीएसआईडीसी राज्य शासन के पूर्वानुमोदन से ऐसी परियोजनाओं के प्रबंधन और संचालन हेतु पृथक नियम और मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित कर सकेगा।

इन इकाइयों के लिए खुला जमीन का रास्ता

छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में 'सेवा क्षेत्र' को विशेष प्राथमिकता दी गई है। ताजा संशोधनों के बाद, अब इन क्षेत्रों से जुड़ी इकाइयों को औद्योगिक पार्कों में भूमि आवंटन और अन्य रियायतों का लाभ मिल सकेगा। सर्विस सेक्टर में आने वाली इकाईयां इस प्रकार हैं। आईटी और सूचना प्रौद्योगिकी,सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और आईटी परामर्श सेवाएं।बीपीओ , केपीओ और डेटा सेंटर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स आधारित सेवाएं। लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउस,. पर्यटन और आतिथ्य होटल, रिसॉर्ट और कन्वेंशन सेंटर। एडवेंचर टूरिज्म और सांस्कृतिक विरासत केंद्र। मनोरंजन पार्क और इको-टूरिज्म परियोजनाएं। अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर और विशेष चिकित्सा केंद्र। स्किल डेवलपमेंट सेंटर (कौशल विकास केंद्र) और तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान। तकनीकी और अनुसंधान सेवाएं,इंजीनियरिंग सेवाएं- मशीनरी मरम्मत, रखरखाव और तकनीकी परामर्श। डिजिटल पेमेंट सेवाएं- वित्तीय तकनीक से जुड़े केंद्र। कृषि उपकरणों का किराया और मृदा परीक्षण केंद्र।

टिफिन मीटिंग में दिखी संगठन की आत्मीयता और एकजुटता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

'मन की बात' कार्यक्रम के बाद छत्तीसगढ़ भाजपा द्वारा आयोजित टिफिन मीटिंग में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने साथ लाए टिफिन से भजिया और पताल की चटनी कार्यकर्ताओं को स्वयं परोसा और सभी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर भोजन किया। आयोजन में संगठन की आत्मीयता स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने घरों से टिफिन लाकर एक-दूसरे के साथ साझा किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि परिवार के सदस्यों की तरह एक साथ बैठकर भोजन करने से आत्मीयता बढ़ती है और आपसी संवाद मजबूत होता है।

कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने घरों से टिफिन लाकर एक-दूसरे के साथ भोजन साझा किया। कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप फरा, विधायक पुरंदर मिश्रा धुसका-बड़ा, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ठेठरी, प्रदेश कार्यालय प्रभारी अशोक बजाज चौसेला और मोना सेन खुरमी जैसे पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन लेकर टिफिन मीटिंग में पहुंचे। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने भी विविध स्थानीय व्यंजनों से आयोजन को और समृद्ध बनाया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को अपने हाथों से भोजन कराकर आपसी स्नेह और एकता का परिचय दिया।

टिफिन बैठक बूथ स्तर से शुरू

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दशकों पूर्व 'टिफिन बैठक' की परंपरा प्रारंभ की थी, जिसका उद्देश्य संगठन में आत्मीयता और सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करना था। यह परंपरा आज भी भाजपा के संगठनात्मक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। छत्तीसगढ़ में इस पहल की शुरुआत बूथ स्तर से की जा रही है, जिससे संगठन की जड़ों को और अधिक मजबूत बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष सामान्य सभा, नेता प्रतिपक्ष ने 6 विषय सुझाए

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

महिला सशक्तिकरण को लेकर रायपुर नगर निगम की विशेष सामान्य सभा 27 अप्रैल को महात्मा गांधी सदन के सामान्य सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित है। सभापति सूर्यकांत

राठौर ने महिला अल्पकालीन सशक्तिकरण के जन जागरूकता अभियान के आयोजन और समन्वय पर चर्चा के लिए विशेष सामान्य सभा बुलाई है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष सामान्य सभा बुलाकर चर्चा कराने के प्रस्तव का स्वागत किया है, पर इसके साथ ही जन हित से जुड़े 6 अहम विषयों पर विशेष सामान्य में चर्चा कराने की मांग निगम सभापति सूर्यकांत राठौर से की है।

इन विषयों पर विशेष सामान्य सभा बुलाने की बताई जरूरत

- शहर के तात्यापारा शारदा चौक सड़क चौड़ीकरण का मुद्दा
- शहर में व्याप्त जल संकट संबंधी अहम विषय
- बारिश में जलभराव और ड्रेनेज सिस्टम के लिए स्वीकृत हुए 220 करोड़ की राशि नहीं मिल पाने का मुद्दा
- पेंशन के लिए 6 माह से भटक रहे बुजुर्गों की समस्या, विधवा पेंशन की समस्या
- महतारी वंदन योजना से वंचित महिलाओं की समस्या
- महिलाओं के नाम से संपत्ति कर में छूट की घोषणा का मुद्दा

प्रोजेक्ट दधीचि, अब तक 91 ने लिया संकल्प

रायपुर। जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दक्षिचि के तहत मानवता और जनसेवा की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए सहायक सांख्यिकी अधिकारी राम नारायण वर्मा ने अंगदान का संकल्प लिया। वर्मा ने अपने संकल्प के बारे में कहा कि मेरे जाने के बाद यदि मेरे अंगों से किसी को स्वस्थ जीवन मिल सके, तो इससे बड़ी खुशी कोई नहीं हो सकती। जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के तहत अब तक 91 से अधिक लोगों ने अंग एवं संपूर्ण शरीर दान का संकल्प लिया है, जिससे समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। किडनी सहित अन्य अंगों के जरूरतमंदों की संख्या काफी अधिक है।

अब पूर्व की तरह 60-40 के अनुपात में किसानों को मिलेगा ऋण और खाद

खरीफ के लिए सहकारी सोसाइटियों में खाद का भंडारण, अभी भी किसानों के हाथ खाली

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

खरीफ सीजन के लिए खेती किसानी की तैयारी में लगे किसानों को ऋण लेने के साथ ही खाद का वितरण कर दिया जाता है। अप्रैल से सहकारी समितियों में किसान ऋण के लिए पहुंचने लगे हैं। किसानों को अब ऋण का 60 प्रतिशत नकद और 40 प्रतिशत वस्तु (खाद-बीज) के रूप में देने का फरमान जारी किया गया है। पहले यह अनुपात 70-30 प्रतिशत का था। अब नकद का लिमिट घटा दिया गया है। वहीं खाद के संबंध में यह कहा जा रहा है कि एक साफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है, जो एग्रीस्टैक से जुड़ा होगा। किसानों के पंजीकृत रकबे के अनुसार टोकन की तरह खाद की मात्रा तय की जाएगी। उसी के अनुरूप किसानों को खाद का वितरण होगा।

बताया गया है कि सहकारी सोसाइटियों में खाद का भंडारण किए जाने के बाद किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। विभाग के अनुसार यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसानों को उनकी खेती के रकबे के आधार पर ही उर्वरक की बिक्री हो, इसके लिए नई ऑनलाइन व्यवस्था पर काम किया जा रहा है। नई प्रणाली में एकीकृत किसान पोर्टल, राजस्व विभाग का भुइंया और एग्रीस्टैक पोर्टल को इंटीग्रेट किया जाएगा। केंद्र सरकार ने एनपीके की कीमत 180 रुपए प्रति बोरी और पोटास की कीमतों में 300 रुपए प्रति बोरी की वृद्धि की है। सहकारी समितियों में खाद की कमी, मूल्य वृद्धि और वितरण के तरीके में बदलाव से परिणाम आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा।

फाइल फोटो

अनियमित वितरण रोकने किए जा रहे उपाय

मार्कफेड के अधिकारियों के अनुसार 2026-27 के खरीफ सीजन से सहकारी समितियों में खाद वितरण की व्यवस्था को पारदर्शी बनाने शासन ने फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी है। जिन किसानों की फॉर्मर आईडी होगी, उन्हें ही समितियों से यूरिया समेत अन्य खाद मिल सकेगी। नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य सही किसानों तक सही मात्रा में खाद पहुंचाना है, ताकि अनियमित वितरण और कालाबाजारी को रोका जा सके।

सहकारी समितियों में 4.83 लाख टन भंडारण

चालू खरीफ में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के राज्य, केंद्र सरकार से समन्वय कर रही है। इस वर्ष खरीफ के लिए 15.55 लाख टन उर्वरक मांग का आंकलन किया गया है तथा अब तक 8.72 लाख टन लगभग 56 प्रतिशत का भंडारण करा लिया गया है। सहकारी समितियों से ऋण लेकर खेती करने वाले किसानों को प्राथमिकता से उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सहकारी क्षेत्र में 4.83 लाख टन का भंडारण कर लिया गया है।

खाद की उपलब्धता कम

सरकार के अनुसार आगामी खरीफ सीजन में 15 लाख 55 हजार मीट्रिक टन खाद की आवश्यकता अनुमानित है, पर इस सरकार की तैयारी आधी भी नहीं है। कम खाद की उपलब्धता पर सहकारी समिति को प्राथमिकता देना चाहिए। पिछले खरीफ सीजन में सहकारी सोसाइटियों को कम खाद दिया और निजी दुकानदारों को अधिक जिसके चलते जमकर ओवर रेट और कालाबाजारी हुई।

स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी, डिवाइडर पर रोगन दीवारों पर स्वच्छता के संदेश, तालाब की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

रायपुर शहर के सफाई व्यवस्था जांचने दिल्ली से केंद्रीय टीम मई के अंतिम सप्ताह में शहर आ सकती है। यही नहीं, आम जनता से शहर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर पब्लिक फीडबैक स्वच्छता की देशव्यापी रैंकिंग में अहम भूमिका निभाएगा। इसके लिए दर्जनभर प्रश्न भी तैयार हैं। नगर निगम प्रशासन ने जोन स्तर पर केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों तक स्वच्छता के संदेश पहुंचाने स्वच्छता दीदी और सफाई मित्रों को माध्यम बनाया है। डिवाइडरों रंग रोगन और दीवारों पर स्वच्छता से संबंधित स्लोगन के साथ प्रेरक चित्रकारी भी की जा रही है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 में रायपुर शहर को देश का सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिलाने वार्ड और जोन स्तर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर निगम जोन 2 स्वास्थ्य विभाग ने जनगणना प्रशिक्षण ले रहे प्रगणकों को चार डिब्बा सफाई प्रणाली को लेकर जागरूक बनाया। निगम आयुक्त विश्वदीप के आदेश पर जोन 2 कमिश्नर संतोष पांडे के निर्देश पर कार्यपालन अभियंता पीडी धृतलहरे की उपस्थिति में जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया ने

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 में 1 अप्रैल से प्रभावशील चार डिब्बा सफाई प्रणाली की जानकारी दी।

रोहणीपुरम तालाब की सफाई, कचरा उठाया

नगर निगम जोन 5 के सफाई मित्रों ने रोहणीपुरम तालाब की ग्रीन आर्मी आफ रायपुर के स्वयंसेवकों के साथ सफाई की। तालाब से निकले कचरे को उठाकर सुरक्षित जगह पहुंचाया। जोन कमिश्नर

खीरसागर नायक के मार्गदर्शन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड के रोहणीपुरम तालाब की सफाई श्रमदान कर की गई। इसी तरह जोन 10 के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड के अपना गार्डन अमलीडीह की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। वार्ड पार्षद विनय पंकज निर्मलकर और जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा की उपस्थिति में स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया गया। मोहबा बाजार स्थित जोन 8 में स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान 2026 के तहत स्वच्छता दीदियों ने झगरहीन तालाब के सामने भजन कीर्तन कर जीवन में स्वच्छता का महत्व बताते हुए संदेश दिया।

बैज ने कहा- उर्वरकों की उपलब्धता पर सरकार चुप्पी तोड़े

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, उर्वरको की उपलब्धता पर सरकार अपनी चुप्पी तोड़े। जानकारी आ रही है कि खरीफ सीजन के पहले उर्वरकों की कमी होने वाली है, लेकिन सरकार इस विषय पर कोई भी ठोस बात किसानों के सामने नहीं रख रही है, इसमें किसान परेशान हैं। पिछले वर्ष उर्वरकों की कमी को झेल चुके किसान सरकार के मौन के कारण विचलित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रदेश में कुल 2058 सहकारी समितियां

है, जिनकी भंडारण क्षमता 4,84,665 मीट्रिक टन है। वहीं खरीफ सीजन के लिये कुल लक्ष्य 10,00,240 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। इसके मुकाबले अब तक केवल 3,59,627 मीट्रिक टन उर्वरक का ही भंडारण हो सका है, जो लक्ष्य का मात्र 35.95 प्रतिशत है। यह स्थिति बताती है कि यदि आपूर्ति की गति नहीं बढ़ी तो खरीफ सीजन में संकट गहरा सकता है।

उन्होंने कहा, प्रदेश में डीएपी का भंडारण लक्ष्य 2,25,650 मीट्रिक टन तय किया गया है। जबकि अब तक सिर्फ 48,045 मीट्रिक टन ही भंडारित हो पाया है। यह लक्ष्य का मात्र 21.29 प्रतिशत है। कई जिलों में एक अप्रैल से अब तक भंडारण शुरू ही नहीं हो पाया है। इनमें बस्तर, सरगुजा और बिलासपुर संभाग के कई जिले इस मामले में सबसे पीछे है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

हरिभूमि
रायपुर भूमि

बसें बनीं भट्टी...!

दूसरे दिन भी आग बरसाती रही गर्मी, तापमान 44 के पार, राहत के फिलहाल नहीं हैं आसार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी रायपुर समेत प्रदेश में दूसरे दिन भी गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखाया। अधिकतम तापमान 44 डिग्री के पार रहा, जिससे फिलहाल बड़ी राहत मिलने की संभावना नहीं है। शनिवार को रायपुर में गर्मी ने अपने पिछले 15 साल का रिकार्ड तोड़ा था। रविवार को बिलासपुर प्रदेश में सबसे गर्म रहा और पारा 44.4 तक ▸▸ शेष पेज 14 पर

अलग खबर

आ रही बंगाल की खाड़ी से हवा

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक दक्षिणी भाग (बस्तर) में बंगाल की खाड़ी से नमीयुक्त हवाओं का आगमन प्रारंभ हो चुका है। सोमवार 27 अप्रैल को एक बस्तर में दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

मजबूरी झुलसने की...

शनिवार को ब्रेक हुआ था गर्मी का रिकार्ड
रविवार को बिलासपुर सबसे गर्म

खबर संक्षेप

लूट के आरोप में हिस्ट्रीशीटर के साथ दो नाबालिग गिरफ्तार

रायपुर। सरस्वती नगर थाना क्षेत्र में चाकू की नोक पर चांदी की चेन लूट के आरोप में पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर तथा उसके दो अन्य नाबालिग साथियों को गिरफ्तार किया है। सुजल लदेर की शिकायत पर पुलिस ने आकाश नायक उर्फ जेडी तथा उसके दो अन्य नाबालिग साथियों को गिरफ्तार किया है। सुजल ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपनी स्कूटी से चंगोराभाठा से शिवानंद नगर अपने घर जा रहा था। कुकुरबेड़ा गुरुद्वारा के पीछे आकाश तथा उसके दो अन्य साथी चाकू की नोक पर उसके साथ मारपीट कर लूट की थी।

ड्राइवर 50 लाख रुपए कार लेकर फरार

रायपुर। खम्हारडीह थाना में बिलासपुर के एक कंस्ट्रक्शन कारोबारी ने अपने ड्राइवर के खिलाफ 50 लाख रुपए कैश तथा कार लेकर फरार होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अखिलेश ने कृष्णा साहू के खिलाफ अमानत में खयानत करने की शिकायत दर्ज कराई है। अखिलेश ने पुलिस को बताया है कि कृष्णा अकाउंटेट के साथ शनिवार को बैंक में पैसा जमा करने के लिए गया था। बैंक बंद होने की वजह से कृष्णा अकाउंटेट के साथ रकम लेकर वापस देवपुरी स्थित निवास आने के लिए निकला। रास्ते में कृष्णा ने अकाउंटेट को गुटखा खाने की बात कह कर अकाउंटेट को गुटखा लेने भेजा। अकाउंटेट जैसे ही गुटखा लेने गया, कृष्णा कार तथा रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गया।

मंदिर के हिसाब की बात को लेकर मारपीट

रायपुर। टिकरापारा थाना में एक व्यक्ति ने तीन अन्य व्यक्ति तथा उनके साथियों के खिलाफ मंदिर के हिसाब किताब की बात को लेकर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बोरियाखुर्द खल्लारी माता मंदिर के सचिव शंकर साहू ने जगदीश साहू, टीकम साहू, अशोक साहू एवं अन्य के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। शंकर ने पुलिस को बताया है कि मंदिर समिति की बैठक के दौरान हिसाब किताब की बात को लेकर तीनों व्यक्ति तथा उसके अन्य साथियों ने मारपीट की।

बस टर्मिनल से महिला यात्री का बैग चोरी

रायपुर। टिकरापारा थाना में एक महिला ने अज्ञात चोर के खिलाफ इंटर स्टेट बस टर्मिनल से बैग चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बैग में महिला तथा उसके पति का पासपोर्ट होने के साथ आधार कार्ड तथा नकदी पांच हजार रुपए थे। गुजरात बड़ोदरा निवासी खैरून्निशा आमिन ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया है कि वह गुजरात, सूरत से हावड़ा जाने बस से परिवार के साथ निकली थी। रायपुर पहुंचने के बाद वह इंटर स्टेट बस टर्मिनल में एक खोमचे में खाना खाने के लिए उतरी थी। खाना खाने के बाद हाथ धोने गई। इस दौरान अज्ञात चोर उसका बैग चोरी कर ले गया।

स्टेडियम से हटाए गए प्लेटिनम सीटों के कांच, टिकट बुकिंग में भी मिली नई सुविधा

मई के पहले सप्ताह से मिलेंगे टिकट, 2000 से होगी शुरू, 8 को पहुंचेगी आरसीबी टीम, 14 को लौटेगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी में 10 और 13 मई को होने वाले आईपीएल मैचों को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में भारी उत्साह है। फैंस को अब बेसब्री से टिकटों का इंतजार है। जानकारी के अनुसार टिकटों की बिक्री मई के पहले सप्ताह से शुरू हो सकती है। अभी तक आरसीबी ने 8 दिन पहले अपने होमग्राउंड के टिकट बेचे हैं, इसलिए रायपुर का टिकट 1 मई के बाद ही मिलेगा। वहीं, इन शानदार मुकाबलों के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम 8 मई को रायपुर पहुंच सकती है। टीम यहां 6 दिनों तक डेरा डालेगी। मैदान पर अभ्यास भी करेगी। मुंबई इंडियंस की टीम के भी 8 मई के बाद राजधानी पहुंचने की संभावना है। मैच के लिए स्टेडियम तैयार हो रहा है। यहां कुछ बदलाव भी किए गए हैं।

खास खबर

2000 से 8000 रुपए तक होंगे टिकट के दाम

इस बार मैचों के लिए टिकटों की दरें लगभग तय कर ली गई हैं। आम दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरुआती टिकट की कीमत 2000 रुपए रखी गई है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्टेडियम में बैठकर मैच का लुत्फ उठा सकें। इसके अलावा अलग-अलग स्टैंड्स के लिए 2500, 3500, 5000 और 8000 रुपए तक की श्रेणियां हो सकती हैं। दर्शकों को टिकट आरसीबी की आधिकारिक वेबसाइट से ऑनलाइन खरीदना होगा। टिकट बुकिंग को लेकर 28 अप्रैल से 1 मई के बीच आधिकारिक अपडेट आने की पूरी संभावना है।

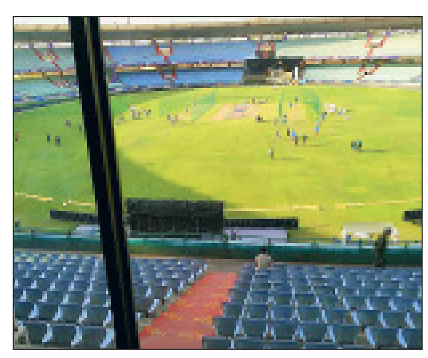

- 6 दिनों तक विराट कोहली और टीम आरसीबी रायपुर में बिताएगी समय
- 10 मई को मुंबई इंडियंस और 13 को केकेआर से होगा हाई-वोल्टेज मुकाबला

प्राइम टाइम में होंगे दोनों रोमांचक मुकाबले

रायपुर के क्रिकेट फैंस को इस बार दो बेहद हाई-वोल्टेज मुकाबले देखने को मिलेंगे। 10 मई को पहली भिड़ंत आईपीएल की दो सबसे चर्चित टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच होगी। इसके बाद 13 मई को आरसीबी का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। ये दोनों ही मैच शाम 7:30 बजे से खेले जाएंगे, जिससे दर्शकों को प्राइम टाइम में क्रिकेट का पूरा रोमांच देखने को मिलेगा। आईपीएल जैसे मेगा इवेंट का असर केवल मैदान तक ही सीमित नहीं रहता। इन मैचों से राजधानी की अर्थव्यवस्था को भी बड़ी रफ्तार मिलेगी। बाहरी शहरों और राज्यों से आने वाले हजारों दर्शकों के कारण रायपुर के होटल, रेस्टोरेंट, ट्रांसपोर्ट और छोटे-बड़े व्यापारियों के व्यापार में भारी उछाल आएगा।

ऐसा हुआ है बदलाव

दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए स्टेडियम में फ्रेंचाइजी द्वारा दो बड़े बदलाव किए गए हैं। दिल्ली और मुंबई के क्रिकेट स्टेडियमों की तर्ज पर रायपुर में भी प्लैटिनम सीटों के सामने लगे कांच के पैनल्स हटा दिए गए हैं। प्रबंधन ने लगभग 30 से अधिक कांच निकाल दिए हैं। इस बदलाव के बाद प्रीमियम सीटों के दर्शक खिलाड़ियों को बिना किसी रुकावट के और भी करीब से खेलते हुए देख सकेंगे। हालांकि, आईपीएल खत्म होने के बाद सुरक्षा कारणों से इन कांच के पैनल्स को वापस लगा दिया जाएगा।

ऑनलाइन टिकट बुकिंग में दिखेगा स्टैंड का नज़ारा<B>

टिकट बिक्री को पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए इस बार एक नई व्यवस्था लागू की गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने होम ग्राउंड की तरह रायपुर में भी दर्शकों को टिकट बुक करते समय स्टैंड की फोटो देखने की सुविधा देगा। अब ऑनलाइन पोर्टल पर टिकट खरीदते समय दर्शकों को यह पता चल सकेगा कि उनकी सीट स्टेडियम के किस हिस्से में है और वहां से मैदान का नजारा कैसा दिखेगा। दर्शक कीमत के साथ-साथ सीट की लोकेशन जांचने के बाद ही टिकट बुक कर सकेंगे। इसके अलावा, इस बार दर्शकों को राहत देते हुए ऑफलाइन टिकट खरीदने के झंझट को भी पूरी तरह खत्म कर दिया गया है।

सट्टा पर पुलिस का कसता शिकंजा, सटोरिये रायपुर छोड़ महासमुंद पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

महासमुंद पुलिस ने रायपुर के आधा दर्जन सटोरियों को गिरफ्तार कर एक करोड़ रुपए से ज्यादा का ऑनलाइन सट्टा संचालित करने का खुलासा किया है। पुलिस ने ऑनलाइन आईपीएल सट्टा के पांच पैनल के माध्यम से 10 मास्टर लॉगिन रखने वाले सटोरियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की है। पुलिस ने सट्टा संचालित करने के आरोप में जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनके रायपुर तथा महासमुंद के कई कारोबारियों के साथ रायपुर के कई चर्चित सटोरियों के साथ संबंध होने की बात सामने आई है। आने वाले दिनों में पुलिस सट्टा संचालित करने वाले गिरोह से जुड़े लोगों के खिलाफ बड़ी ▸▸ शेष पेज 14 पर

- एक करोड़ के ऑनलाइन सट्टा का भंडाफोड़

म्यूल अकाउंट से ट्रांजेक्शन

सटोरियों द्वारा सट्टे की रकम म्यूल अकाउंट के माध्यम से एक अकाउंट से दूसरे अकाउंट में ट्रांजेक्शन किए जाने की जानकारी पुलिस को मिली है। पुलिस ने आरोपियों को उनके निवास पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है। हालांकि पुलिस को आरोपियों के कब्जे से किसी तरह से म्यूल अकाउंट नहीं मिला है। म्यूल अकाउंट को लेकर पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

5.25 लाख छात्र ऐसे जो उत्तीर्ण, लेकिन अंक सुधारने फिर देंगे परीक्षा

- द्वितीय परीक्षा के लिए 6.68 आवेदन, इनमें फेल छात्र सिर्फ 85 हजार
- प्रथम परीक्षा में शामिल हुए थे 24.83 लाख छात्र, इनमें 93.70% रहे उत्तीर्ण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 के दूसरे संस्करण के लिए 6.68 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। बोर्ड के अनुसार, इनमें से अधिकतर आवेदन मुख्य परीक्षा में प्राप्त अंकों में सुधार (इम्प्रूवमेंट) के लिए हैं, जिनके परिणाम इसी महीने की शुरुआत में घोषित किए गए थे। आंकड़ों के अनुसार 6,68,854 नियमित (रेगुलर) छात्रों ने दूसरे संस्करण के लिए आवेदन किया है। इनमें से 5,25,655 छात्रों ने केवल अंक सुधार के लिए आवेदन किया है, जबकि 85,285 छात्र कंपार्टमेंट श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। इसके अलावा 57,914 छात्रों ने कंपार्टमेंट और इम्प्रूवमेंट दोनों श्रेणियों में आवेदन किया है। इस परीक्षा के लिए 2,66,209 बालिका उम्मीदवार और 4,02,643 बालक उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया है, जबकि दो उम्मीदवार 'अन्य' श्रेणी में आते हैं।

गौरतलब है कि मुख्य परीक्षा में 24,83,479 छात्रों ने पंजीकरण कराया था। इनमें से 24,71,777 छात्र परीक्षा में शामिल हुए और 23,16,008 छात्र उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 93.70% ▸▸ शेष पेज 14 पर

इम्प्रूवमेंट के अवसर

जो छात्र पहली परीक्षा में उत्तीर्ण हो चुके हैं, वे अधिकतम तीन विषयों विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 1,92,508 छात्रों ने एक विषय के लिए आवेदन किया है। 2,79,227 छात्रों ने दो विषयों के लिए आवेदन किया है। 1,97,119 छात्रों ने तीन विषयों के लिए आवेदन किया है। इसके अतिरिक्त, 9,765 प्राइवेट उम्मीदवारों ने भी आवेदन किया है। इनमें 8,323 उम्मीदवार तीसरे अवसर (थर्ड चांस) के तहत और 1,442 उम्मीदवार पहले अवसर (फर्स्ट चांस) के तहत शामिल हैं।

परीक्षा तिथियां और प्रक्रिया

*सीबीएसई के अनुसार, दूसरी बोर्ड परीक्षा 15 मई 2026 से शुरू होगी और 21 मई 2026 तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा की डेटशीट 23 अप्रैल 2026 को जारी की जा चुकी है, जिसे आधिकारिक वेबसाइट पर देखा जा सकता है। बोर्ड ने यह भी बताया कि सभी प्री-एग्जाम प्रक्रियाएं, जैसे एलओसी (**List of Candidates**) जमा करना और डेटशीट जारी करना, समयबद्ध और व्यवस्थित तरीके से पूर्ण कर लिए गए हैं।*

दो-एडिशन प्रणाली की शुरुआत

सीबीएसई ने वर्ष 2026 से कक्षा 10 बोर्ड परीक्षाओं के लिए दो-एडिशन प्रणाली लागू की है। इसके तहत छात्रों को पहले (मुख्य) परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है, जबकि दूसरी परीक्षा उन छात्रों के लिए एक अतिरिक्त अवसर के रूप में कार्य करती है जो कंपार्टमेंट में हैं या अपने अंकों में सुधार करना चाहते हैं। इस नई प्रणाली के अनुसार, दोनों परीक्षाओं में से प्राप्त सर्वोत्तम अंक (बेस्ट स्कोर) को अंतिम मार्कशीट-सह-प्रमाणपत्र में शामिल किया जाएगा।

एयरपोर्ट की सवारी पर विवाद, एक आटो चालक ने दूसरे का सिर फोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर सवारी बैठाने को लेकर ऑटो चालकों के बीच खूनी संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा। एक ऐसी ही घटना में एक ऑटो चालक ने दूसरे ऑटो चालक के सिर पर बोतल से हमला कर सिर फोड़ दिया। बताया जा रहा है, सवारी बैठाने को लेकर दोनों ऑटो चालकों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद एक ऑटो चालक ने दूसरे ऑटो चालक के साथ झगड़ा करते हुए सिर फोड़ दिया। माना पुलिस ने बोतल से हमला करने वाले ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है। परमानंद धृतलहरे की शिकायत पर पुलिस ने जुबेर खान के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। परमानंद और जुबेर एयरपोर्ट के बाहर ऑटो चलाते हैं। शुक्रवार रात सवारी को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, इस बीच दोनों के बीच हाथापाई हुई। हाथापाई के दौरान जुबेर ने पास ▸▸ शेष पेज 14 पर

- एक ऑटो चालक ने दूसरे ऑटो चालक का बोतल से सिर फोड़ा

निगम के 2100 बोरवेल और 800 पावर पंप, पर सैंपलिंग सिर्फ 25 की

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

नगर निगम के शहर में 2100 बोरवेल और 800 पावरपंप के पानी के नमूने जांचने फिल्टर प्लांट के 2 लैब कम पड़ रहे हैं। एक दिन में 20 से 25 सैंपल की जांच की व्यवस्था होने और जांच रिपोर्ट आने में 72 घंटे लगने की समय अवधि ने निगम प्रशासन को चिंता में डाल दिया है। यही हाल रहा तो गर्मी के सीजन में शहर के सारे बोरवेल और पावरपंपों के पानी सैंपल की जांच कैसे होगी, यह एक बड़ा सवाल है। इससे आम जनता की सेहत दांव पर लगी है। राजधानी के अंदरूनी इलाके सहित आउटर के वार्डों में गहराते भूजल स्त्रोत ने जहां आम आदमी की चिंता बढ़ाई है, वहीं नगर निगम के सार्वजनिक बोरवेल और पावरपंप से पानी पीना सुरक्षित नहीं रहा। हालांकि जल विभाग रोजाना औसतन 20 से 25 पानी सैंपल अलग-अलग इलाकों से कलेक्ट कर इसकी जांच फिल्टर प्लांट स्थित अपने 2 लैब में करा रहा ▸▸ शेष पेज 14 पर

- गर्मी के सीजन में कैसे पूरी होगी भूजल स्त्रोत के नमूनों की जांच

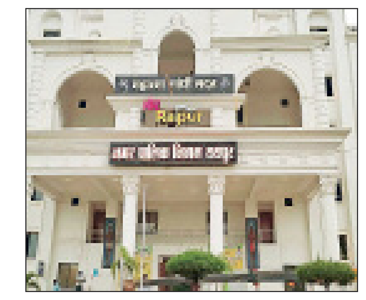

2 लैब से करा रहे पानी सैंपल की जांच

जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र के मुताबिक नगर निगम का जल विभाग अपने 2 लैब के अलावा भाठागांव के फिल्टर प्लांट परिसर में निर्मित नए 80 प्लांट के लेब से पानी सैंपल की जांच करा रहा है। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर पीएचई विभाग की राज्य स्तरीय प्रयोगशाला की मदद से पानी सैंपल की जांच कराएगा। इससे पानी के सैंपल की जांच में जहां तेजी आएगी,वहीं गर्मी के सीजन में पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में आसानी होगी। पीएचई विभाग की भाठागांव स्थित प्रयोगशाला में निर्धारित शुल्क लेकर पानी सैंपल की जांच की व्यवस्था है।

20 मई से 15 मार्च 2027 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

छत्तीसगढ़ में शराब दुकानों में खुलेंगे अहाते, पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर मिलेगा ठेका

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य की देशी, विदेशी और कम्पोजिट मदिरा दुकानों से संलग्न अहातों के आवंटन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। शासन के आदेशानुसार, इन अहातों का प्रबंधन पहले आओ, पहले पाओ की नीति के तहत ऑनलाइन निविदा पद्धति से किया जाएगा। आबकारी आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, इच्छुक निविदादाता 20 मई से 15 मार्च 2027 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट उपयोग किया जा सकता है। निविदा जमा करने की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। सफल पंजीकरण के बाद आवेदक को उनके मोबाइल नंबर और ईमेल पर वास्तविक पंजीकरण संख्या भेजी जाएगी, जो भविष्य में चयन प्रक्रिया के लिए अनिवार्य होगी।

कितनी लगेगी फीस

प्रत्येक अहाते के लिए 5हजार रुपये की नॉन-रिफंडेबल प्रोसेस फीस निर्धारित की गई है। अर्नेस्ट मनी निविदादाता को अपनी निविदा राशि का 5 प्रतिशत हिस्सा अर्नेस्ट मनी के रूप में ऑनलाइन जमा करना होगा। यह राशि चयन के बाद लाइसेंस फीस में समायोजित की जा सकेगी।

पात्रता के लिए ये होगा मानदंड

आवेदक का भारत का नागरिक होना और 21 वर्ष से अधिक आयु का होना अनिवार्य है। निविदादाता के पास स्थायी खाता संख्या (पैन) होना चाहिए। आवेदक का चरित्र निष्कलंक होना चाहिए और उसके विरुद्ध कोई आपराधिक मामला या आबकारी विभाग का बकाया नहीं होना चाहिए। मदिरा के विनिर्माण, परिवहन या थोक विक्रय से जुड़े व्यक्ति इस निविदा में भाग लेने के पात्र नहीं होंगे। आवंटित लाइसेंस 1 जून 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए वैध होंगे। कोई भी एकल निविदादाता (व्यक्ति, फर्म या कंपनी) किसी एक जिले में दो से अधिक अहातों के समूह का लाइसेंस प्राप्त नहीं कर सकता। लाइसेंस जारी करने के लिए जिले के कलेक्टर को अधिकृत 'अनुज्ञापन प्राधिकारी' नियुक्त किया गया है।

चयन और दस्तावेज सत्यापन

चयनित निविदादाता को सूचना मिलने के दो कार्य दिवस के भीतर अपने मूल दस्तावेजों (जैसे आयु प्रमाण, स्थायी निवास प्रमाण और पैन कार्ड) के साथ अनुज्ञापन प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित होना होगा। यदि चयनित आवेदक समय पर वांछित धनराशि जमा करने में विफल रहता है, तो उसका चयन निरस्त कर पुनः निविदा आमंत्रित की जा सकेगी। किसी भी तकनीकी सहायता के लिए विभाग ने रायपुर कार्यालय में हेल्पलाइन नंबर 0771-2512609 भी जारी किया है, जहां कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

34% नदारत, जो आए उनसे व्यापम ने पूछा- 'व' का उच्चारण कहां से, गणित के सवाल रहे कठिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल ने मंडी उप निरीक्षक के रिक्त पदों के लिए लिखित भर्ती परीक्षा रविवार को आयोजित की। इसके लिए रायपुर जिले में 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा व्यापम द्वारा निर्धारित नए समय में हुई। गर्मी के कारण व्यापम ने परीक्षा का समय 11 से 1 बजे के स्थान पर 10 से 12 बजे कर दिया है।परीक्षा के लिए आवश्यक गोपनीय सामग्री का वितरण सुबह 8:15 बजे जिला कोषालय, कलेक्ट्रेट रायपुर से किया गया। रायपुर में इस परीक्षा में पंजीकृत 34,168 परीक्षार्थियों में से 21,579 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। पूरे राज्य में पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या 2 लाख 47 हजार रही। इनमें से 65.5% ने परीक्षा दिलाई, जबकि शेष अनुपस्थित रहे। परीक्षा समाप्ति के उपरांत सभी केंद्रों से गोपनीय सामग्री समन्वयक केंद्र शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में जमा की गई। इसके पश्चात समस्त सामग्री शाम 6 बजे जिला कोषालय, कलेक्ट्रेट रायपुर में सुरक्षित रूप से जमा कराई गई। जिले में परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप सफलतापूर्वक हुआ। खबर लिखे जाने तक किसी तरह की नकल प्रकरण की शिकायत व्यापम को प्राप्त नहीं हुई थी।

गणित ने उलझाया दिमाग

सामान्य ज्ञान के अंतर्गत पूछे गए सवालों का स्तर सामान्य रहा। जबकि गणित के सवाल अत्यंत जटिल रहे। इनमें से कुछ सवालों ने अत्यधिक समय लिया। संविधान, सर्वेक्षण, उत्पादकता, परमाणु ऊर्जा संयंत्र, सुपर स्वच्छ अवार्डी शहर जैसे प्रश्न भी शामिल रहे। छग संबंधित सवालों में मावा मोदोल योजना, छग के जलप्रपात, छग की महिला कबड्डी खिलाड़ी, पहली सौर ऊर्जा संचालित कोयला खदान, भाषा व साहित्य का क्रमवार विभाजन, राजकीय वृक्ष साल का वैज्ञानिक शामिल रहे।

इस तरह के सवाल

- दोहा के संबंध में क्या सही है?
- आठ-आठ आंसू रोना, गुलर का फूल, डंका बजना, घड़ों पानी पड़ जाना का अर्थ?
- 'व' ध्वनि का उच्चारण स्थान क्या है?
- काली मिर्च में कौन सा समास है?
- कवि शब्द का स्त्रीलिंग शब्द कौन सा है?
- टमाटर, आलू, प्याज, गाजर में कौन सा शब्द भिन्न है?
- पुष्प का कौन सा भाग नर जनन अंग है?
- 1979 से 1991 तक के प्रधानमंत्रियों को सही क्रम में व्यवस्थित करें।

खबर संक्षेप

मां विंध्यवासिनी जन्मोत्सव पर भंडारा कार्यक्रम 30 को

रायपुर। मां विंध्यवासिनी के जन्मोत्सव के अवसर पर विंध्याचल धाम पीयूष नगर, न्यू कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर में 30 अप्रैल को महाप्रसादी भण्डारा का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शाम 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक जारी रहेगा। यह जानकारी छग श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष अरविंद अवस्थी ने देते हुए बताया कि पवित्र विंध्याचल धाम में इस दौरान विशेष श्रृंगार, अनुष्ठान और मंगला आरती का आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

जगन्नाथ भगवान की जल यात्रा 3 मई को

रायपुर। भगवान जगन्नाथ का भव्य जल विहार, जिसे अक्सर 'चंदन यात्रा' या स्नान पूर्णिमा के बाद की लीलाओं के रूप में जाना जाता है। इसी कड़ी में 3 मई को कुशालपुर स्थित खो-खो तालाब में महाप्रभु जगन्नाथ जी का शाम 5 बजे से 6 बजे तक नौका विहार करेंगे। इसके बाद शाम 6 बजे महाआरती होगी। यह जानकारी छग श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष अरविंद अवस्थी ने देते हुए बताया कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी को 108 कलशों के पवित्र जल से स्नान कराया जाता है और फिर वे सरोवर में नौका विहार करते हैं।

जितेंद्र अध्यक्ष, निरंजन बने प्रगतिशील यादव महासंघ के महासचिव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील यादव महासंघ का चुनाव रविवार को शहीद स्मारक स्थित महासंघ के कार्यालय में हुआ। चुनाव अधिकारी डा. नरसिंह यादव ने पदाधिकारी के नाम की घोषणा की। इसमें अध्यक्ष जितेंद्र बहादुर यादव, उपाध्यक्ष शोभा यादव, राजेश यादव, शशिकांत यादव और महासचिव निरंजन सिंह यादव को बनाया गया। साथ ही अन्य पदाधिकारियों में उप महासचिव रविंद्र सिंह यादव, सहायक महासचिव अरुण श्रीकांत यादव, कोषाध्यक्ष रामलाल यादव, संगठन सचिव सोमेंद्र यादव, प्रमुख सचिव सुजीत सिंह, कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र प्रसाद यादव, वीरेंद्र कुमार यादव, उपेंद्र सिंह यादव, राहुल यादव, सांस्कृतिक सचिव बेबी यादव, प्रमुख सलाहकार सत्येंद्र यादव, जनसंपर्क अधिकारी अशोक यादव एवं मीडिया प्रभारी राकेश यदु चुने गए। नवनिर्वाचित महासचिव निरंजन सिंह यादव ने बताया कि निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह अतिशीघ्र किया जाएगा।

जिला और आंबेडकर अस्पताल के लू वार्ड में हुआ उपचार, कुछ बुखार की दवा से ठीक हुए

रिकार्डतोड़ गर्मी ने किया बीमार, डिहाईड्रेशन की शिकायत वाले बड़ी संख्या में पहुंच रहे अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पिछले दो दिनों से मध्य इलाके में पड़ रही रिकार्डतोड़ गर्मी ने कई लोगों को बीमार कर दिया है। कड़ी धूप और थोड़ी लापरवाही की वजह से इन दो दिनों में दर्जनभर से ज्यादा लोग बीमार होकर इलाज के लिए आंबेडकर और जिला अस्पताल पहुंचे। इनमें से पांच लोगों के इलाज के लिए लू वार्ड की मदद ली गई और शेष को आम बुखार तथा लक्षण आधारित दवा देकर ठीक किया गया है।

गर्मी के मौसम में डिहाईड्रेशन के साथ जलजनित बीमारियों और बासी भोजन से फूड पाइजनिंग का जोखिम बढ़ जाता है। भले ही सरकारी आंकड़ों में ऐसे मामले दर्ज नहीं हो रहे हों, मगर आने वाले मरीजों की संख्या ऑफ द रिकार्ड में काफी है। पिछले दो दिन से रायपुर समेत मध्य इलाके में रिकार्ड तोड़ गर्मी असर दिखा रही है। यहां का तापमान 43 से 45 के बीच होने की वजह से लोगों में लू लगने, पेट खराब होने जैसी शिकायत बढ़ रही है। सूत्रों के मुताबिक केवल शनिवार और रविवार को पड़ी तेज गर्मी के कारण आंबेडकर और जिला अस्पताल में दर्जनभर से ज्यादा लोग बीमार होकर पहुंचे। जांच के बाद दर्द और कमजोरी जैसी स्थिति वाले मरीजों को लक्षण आधारित दवा देकर ठीक कर भेजा गया। जिला अस्पताल में दो ऐसे मरीज पहुंचे, जिन्हें बनाए गए लू वार्ड में भर्ती कर इलाज किया गया। इसी तरह आंबेडकर अस्पताल में पांच मरीजों की प्रारंभिक

स्थिति के आधार पर उन्हें लू वार्ड पहुंचाया गया। जरूरी इलाज के बाद स्थिति में सुधार के बाद उन्हें छुट्टी दी गई। इसी तरह विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी मौसम जनित समस्या वाले मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं लेकिन इन्हें लू से संबंधित आंकड़ों में दर्ज नहीं किया गया है।

खंडहर में मिला अधेड़ का शव

मौदहापारा इलाके में एमजी रोड के एक खंडहर में अधेड़ का पुराना शव मिला है। मृतक की पहचान गुढ़ियारी के नरेश पडियार के रूप में हुई है जो उसी इलाके में मजदूरी करता था और तीन दिन से लापता था। पुलिस को आशंका है कि उसकी मौत गर्मी की वजह से हुई वहीं परिस्थिति के आधार पर हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है। दस दिन पहले विधानसभा थाना क्षेत्र के एक गांव में पुराने मकान में महिला की लाश मिली थी। उसकी मौत का कारण भी लू होने का अनुमान था मगर अब तक पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिली है।

बासी खानपान ने बढ़ाई समस्या

खानपान की लापरवाही एव पानी से संबंधित समस्या भी असर दिखाने लगी है। बासी भोजन खाने की ग्रामीण इलाकों में फूड पाइजनिंग की समस्या सामने आ रही है वहीं दूषित पानी से संबंधित पानी की शिकायत भी सामने आ रही है। खरोरा इलाके में निजी हास्पिटल का संचालन करने वाले चिकित्सक ने बताया कि पिछले कुछ समय से छोटे बच्चे इस तरह की शिकायत के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं।

सावधानी बरतने की जरूरत

डिहाईड्रेशन की शिकायत के साथ आने वाले मरीजों को आवश्यक उपचार की सुविधा दी जा रही है। इसके लिए अस्पतालों में पर्याप्त इंतजाम किया गया है। लोगों को तेज गर्मी के सीधे संपर्क में आने से बचना चाहिए।

\- डा. मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ\\\

पंडरी में 6 मंजिला पीएम एकता मॉल का चल रहा निर्माण, 25 फीसदी काम पूरा

- सेंट्रलाइज्ड एसी, डबल बेसमेंट में पार्किंग की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पंडरी हाट बाजार में गुजरात तर्ज पर छह मंजिला पीएम एकता मॉल बन रहा है, जिसमें ग्राउंड फ्लोर निर्माण के बाद माइनस वन निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। अनुबंधित एजेंसी ने निर्माण कार्य का 25 फीसदी काम पूरा कर लिया है। सेंट्रलाइज्ड एसी के साथ इस मॉल में डबल बेसमेंट पार्किंग की सुविधा लोगों को मिलेगी। रायपुर विकास प्राधिकरण ने पीएम एकता मॉल निर्माण के लिए रायपुर की एजेंसी को वर्कआर्डर दिया है। एकता मॉल में देशभर के 28 राज्यों के हस्तशिल्प उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही पीएम एकता मॉल में 200 सीटर क्षमता वाला आडिटोरियम भी बनेगा। यह आडिटोरियम कार्यक्रम, सम्मेलन के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। दरअसल, केंद्र सरकार की योजना के तहत राजधानी के देवेंद्र नगर पंडरी स्थित हाट बाजार वाली जमीन पर सर्वसुविधा युक्त पीएम एकता मॉल का निर्माण कराया जा रहा है। 150 करोड़ की लागत वाले इस प्रोजेक्ट के सुपरविजन का जिम्मा रायपुर विकास प्राधिकरण को दिया गया है। प्राधिकरण को इसके एवज में 15 फीसदी राशि सुपरविजन शुल्क के रूप में मिलेगी। मॉल में अलग-अलग राज्यों के उत्कृष्ट हस्तशिल्प कलाकृति के स्टॉल रहेंगे। मॉल का सुपर बिल्टअप एरिया 4,73,392 वर्गफीट रखा गया है। पूरा परिसर हाईटेक सीसीटीवी कैमरे से लैस रहेगा।

एक जिला एक उत्पाद की तर्ज पर स्टॉल

प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक एकता मॉल में एक जिला एक उत्पाद की तर्ज पर छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले के चुनिंदा उत्पाद उपलब्ध रहेंगे। साथ ही देश के प्रमुख राज्य जम्मू कश्मीर, पंजाब, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिसा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु, बंगाल सहित 28 राज्यों के बेस्ट प्रोडक्ट उपलब्ध रहेंगे। योजना का मकसद स्थानीय शिल्प को संरक्षित कर पारंपरिक कला को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री साय से केटीयू के कुलपति प्रो. दयाल ने की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने शनिवार को सौजन्य मुलाकात की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पत्रकारिता विश्वविद्यालय की उन्नति और प्रगति पर प्रसन्नता जताई और कुलपति प्रो. दयाल को शुभकामना दी। विश्वविद्यालय के संख्यात्मक व गुणात्मक विकास पर वृहद व व्यापक चर्चा हुई। कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने प्रशासनिक एवं अकादमिक कार्यों की नियमित समीक्षा प्रारंभ की है।

खुदरा व्यापार की सुरक्षा के लिए लागू हो प्रभावी राष्ट्रीय ई-कामर्स नीति

- कैट ने सरकार से किया आग्रह
- केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को भेजा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

कंफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि खुदरा व्यापार पर निर्भर देश के करोड़ों कर्मचारियों की आजीविका की सुरक्षा के लिए तत्काल मजबूत और प्रभावी राष्ट्रीय ई-कामर्स नीति लागू की जाए।

श्री पारवानी ने बताया कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को भेजे गए पत्र में कैट ने डेलॉइट और गूगल की संयुक्त रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि यह रिपोर्ट भारत के डिजिटल कॉमर्स बाजार के बड़े विस्तार को दर्शाती है, लेकिन साथ ही निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता को भी रेखांकित करती है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत का ई-कॉमर्स बाजार वर्ष 2019 से 2025 के बीच करीबन 90 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है और वर्ष 2030 तक इसके 250 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2030 तकः 22 करोड़ नए जेन-ज़ी खरीदार ऑनलाइन बाजार से जुड़ेंगे, जेन-ज़ी उपभोक्ता कुल ऑनलाइन खर्च का 45 प्रतिशत हिस्सा होंगे, 15 करोड़ नए खरीदार ऑनलाइन आएंगे, प्रति व्यक्ति ई-कॉमर्स खर्च दोगुना होने की संभावना है। टियर-2 शहरों और छोटे नगरों का हिस्सा पहले ही 60 प्रतिशत से अधिक ऑनलाइन खरीदारों, लगभग आधे कुल खर्च और कुल ऑर्डरों के तीन-पांचवें हिस्से तक पहुंच चुका है। श्री पारवानी ने कहा कि ये आंकड़े भारत के डिजिटल बाजार की विशाल संभावनाओं को दर्शाते हैं, लेकिन यदि इसे बिना नियमन के छोड़ दिया गया तो यही वृद्धि देश की पारंपरिक खुदरा व्यापार व्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है, जो आज भी स्वरोजगार और रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है।

अमर पारवानी ने कहा कि भारत के छोटे खुदरा व्यापारी, किराना स्टोर, थोक व्यापारी, वितरक, परिवहनकर्ता और संबंधित क्षेत्र शहरी तथा ग्रामीण भारत में करोड़ों परिवारों का सहारा हैं। इस व्यवस्था को कमजोर करने के गंभीर आर्थिक और सामाजिक परिणाम होंगे।

साहित्यकार सुरेंद्र और तेजपाल शब्दाक्षर सम्मान से सम्मानित

रायपुर। शब्दाक्षर छत्तीसगढ़ प्रदेश समिति द्वारा सिविल लाइंस स्थित वृंदावन सभागार में रविवार को सम्मान समारोह और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष कुमार जगदली 'सुनील' ने सभी मंचासीन अतिथियों को अंगवस्त्र, पुष्पहार और स्मृति चिह्न भेंट किया। इसके बाद दोनों राज्य मंत्रियों ने साहित्यकारों सुरेंद्र रावल को 'शब्दाक्षर व्यंग्यश्री सम्मान' एवं तेजपाल सोनी को 'शब्दाक्षर छत्तीसगढ़ी भाषा सेवा सम्मान' से सम्मनित किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष ने संस्था के संबंध में बताते हुए संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह के संस्था के प्रति अथक योगदानों की चर्चा की। साथ ही संस्था के राष्ट्रीय सरंक्षक डॉ.बुद्धिनाथ मिश्र के 'शब्दाक्षर' के प्रति अगाध स्नेह को अतुलनीय बताया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छग निशक्तजन वित्त विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, छग राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, डा. सीमा श्रीवास्तव, अधिवक्ता राममूरत शुक्ल, यशवंत चतुर्वेदी, प्रदेश अर्थमंत्री नीलिमा मिश्रा एवं प्रदीप साहू ने कार्यक्रम संपादन में सक्रिय भूमिका निभाई।

वैश्विक संकट का असर अब चाय-नाश्ते की दुकानों और होटलों में दिख रहा

- समोसा-कचोरी, डोसा, सांभर बड़ा, मंचूरियन के रेट 10 से 25 प्रतिशत तक बढ़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के वैश्विक संकट का असर अब चाय-नाश्ते की दुकानों और होटलों पर दिखने लगा है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने और तेल के दामों में भारी वृद्धि के कारण छोटे होटल और फास्ट फूड दुकानदारों की लागत बढ़ गई है और उन्होंने नाश्ते के दाम बढ़ा दिए हैं। इसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ रहा है। मार्च से शुरू हुए संकट के बाद अप्रैल से पूरे शहर में हर जगह पर नाश्ते के नए रेट लिस्ट जारी कर दिए गए हैं। शहर के कई प्रमुख इलाकों में नाश्ते की दुकानों पर दाम बढ़ने लगे हैं। एक स्वीट्स की दुकान में मार्च तक जो समोसा 30 रुपये प्लेट में मिल रहा था, वह अब 35 रुपये प्लेट में बिक रहा है। आलू पेटीस का दाम 25 रुपये से बढ़कर 30 रुपये हो गया है। दही फुल्की की प्लेट, जो पहले 30 रुपये में मिलती थी, अब 40 रुपये में दी जा रही है। समोसा-कचोरी समेत फास्ट फूड 10 से 25 प्रतिशत महंगे हो गए हैं। दुकानदारों का कहना है कि वैश्विक संकट के बाद कार्मशियल गैस मिल नहीं रहा, ब्लैक में महंगा मिल रहा है। वहीं तेल की कीमतों में 10-12 रुपए की बढ़ोत्तरी हो चुकी है। कोतवाली के पास सड़क किनारे समोसा, कचोरी बेचने वाले ने बताया कि हमारी दुकान पिछले 20 सालों से यहां चल रही है। लोगों की डिमांड के अनुसार समान तैयार करते हैं, गैस की किल्लत और खाद्य तेल की कीमतों में वृद्धि से ऐसे में लागत निकालना मुश्किल हो रहा है। दाम 20 प्रतिशत बढ़ाया गया है। फास्ट फूड के दाम 10 से 25 प्रतिशत तक बढ़े शहर के विभिन्न क्षेत्रों में समोसा, पोहा पेटीज, डोसा, चाउमिन, मंचूरियन, सांभर बड़ा और रोजमर्रा के नाश्ते के दाम 10 से 25 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं।

खाने के तेल की कीमतों में उछाल

खाना पकाने के तेल की कीमतें मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के कारण बढ़ रही हैं। यह युद्ध विशेष रूप से समुद्री मार्गों को प्रभावित कर रहा है। भारत को खाना पकाने के लिए आवश्यक अधिकांश तेल विदेशों से आयात किए जाते हैं। वहीं अन्य तेलों में सोयाबीन, सरसों, तिल के दामों में भी वृद्धि हुई है। सूरजमुखी तेल और ताड़ के तेल जैसे तेल विशेष रूप से मध्य पूर्व से आयात का जाता है।

पेज 13 का शेष

दूसरे दिन भी आग बरसाती रही...

पहुंचा। अप्रैल के अंतिम दिनों में गर्मी रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग में अपना जोरदार असर दिखा रही है। शनिवार को तो नांदगांव की गर्मी 45 डिग्री की रही, वहीं रायपुर में तेवर 44.6 का रहा। रविवार यानी दूसरे दिन भी इसके मिजाज में कोई खास फर्क नहीं दिखा और दोपहर को तेज धूप के साथ गर्म हवा के थपेड़े सहने पड़े। शहर में गर्मी सुबह दस बजने के बाद ही अपना असर दिखाना शुरू कर रही है। इस दौरान तापमान 38-39 डिग्री होकर दोपहर से दो से तीन बजे तक अपनी चरम स्थिति पर पहुंच रहा है। रविवार को सूरज के तेज प्रभाव ने रायपुर के बजाए बिलासपुर पर अपना असर दिखाया और वहां का तापमान सर्वाधिक 44.4 रिकार्ड किया गया। शहर में पिछले दस दिन से गर्मी अपना व्यापक असर दिखा रही है इसकी वजह से लोग दोपहर होने के बाद अधिक आवजाही से परहेज करने लगे हैं। दोपहर होने के बद शहर की सड़कों पर आवाजाही भी कम हो जाती है।

सट्टा पर पुलिस का कसता शिकंजा...

कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। आईजी अमरेश मिश्रा के निर्देश पर पुलिस ने सटोरियों के खिलाफ कार्रवाई की है। सट्टा संचालित करने के आरोप में पुलिस ने रायपुर निवासी दुर्गेश डहरे उर्फ योगेश, ललित चावला, सौरभ जैन, विजय वर्मा, निशांत नागवानी के अलावा बेमेतरा निवासी अंशू बग्गा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सटोरियों में निशांत नागवानी सट्टा संचालित करने का मास्टर माइंड बताया जा रहा है। पुलिस ने इन सभी सटोरियों को पूर्व में रायपुर, दुर्ग तथा महासमुंद से गिरफ्तार छह सटोरियों की निशानदेही पर पहचान कर गिरफ्तार किया है।

वाट्सएप ग्रुप बनाकर कर रहे थे सट्टा संचालित : पुलिस ने सट्टा संचालित करने के आरोप में जिन एक दर्जन सटोरियों को गिरफ्तार किया है, उनके द्वारा पावर एक्स वाट्सअप ग्रुप के माध्यम से पैनल में सट्टा संचालित किया जा रहा था। वाट्सएप ग्रुप एडमिन निशांत था। सटोरियों के वाट्सएप ग्रुप में जुड़े अन्य लोगों के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है। सूत्रों के मुताबिक वाट्सएप ग्रुप में ढाई सौ से ज्यादा लोग जुड़े हुए हैं।

इस पैनल के माध्यम से सट्टा संचालितः सटोरिए सट्टा संचालित करने ऑनलाइन अंकल बेट-9, अंकल 777 डॉट काम, पॉवर एक्स डॉट काम, वजीर एक्स डॉट काम, क्लासिक 777 डॉट काम, ग्रैंड एक्स डॉट काम, गॉड 777 डॉट काम पैनल के नाम से सट्टा संचालित कर रहे थे। सटोरियों ने इन पांच पैनल से सट्टा संचालित करने वाले अन्य लोगों को कमीशन पर दस मास्टर आईडी बांटी थी।

5.25 लाख छात्र ऐसे जो उत्तीर्ण...

दर्ज किया गया। दूसरी बोर्ड परीक्षा के परिणाम जून 2026 के अंत तक घोषित किए जाने की संभावना है, जो परीक्षा उपनियमों के अनुसार जारी किए जाएंगे। पहली परीक्षा में प्राप्त अंकों को छात्र डिजिलॉकर के माध्यम से एक्सेस कर सकते हैं और यदि वे दूसरी परीक्षा में शामिल नहीं होना चाहते हैं, तो उन्हीं अंकों के आधार पर कक्षा 11 में प्रवेश ले सकते हैं। अंतिम पासिंग सर्टिफिकेट और मेरिट सर्टिफिकेट दूसरी परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद जारी किए जाएंगे।

एयरपोर्ट की सवारी पर विवाद, एक आटो...

में पड़ी कांच की बोतल उठाकर परमानंद के सिर पर वार कर दिया। बोतल लगने से परमानंद लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों ने परमानंद को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। बोतल के हमला से परमानंद के सिर पर गंभीर जख्म आया है। पुलिस ने जुबेर के खिलाफ हत्या की कोशिश सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। गिरफ्तारी के बाद जुबेर को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

सवारी बैठाने के नाम पर आए दिन विवादः स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर सवारी बैठाने के नाम पर आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित होती है। ऑटो, टैक्सी चालक एक दूसरे के साथ विवाद कर मारपीट, यहां तक कि चाकूबाजी की घटना को अंजाम दे चुके हैं। ऑटो, टैक्सी चालकों द्वारा एक दूसरे के साथ विवाद करने के साथ यात्री तथा उनके परिजनों के साथ बदसलूकी तक करते हैं। एयरपोर्ट पार्किंग स्टाफ ने विवाद करने वाले ऑटो, टैक्सी चालकों की शिकायत कई बार पुलिस से की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निगम के 2100 बोरवेल और...

है, पर शहर के विस्तार को देखते हुए यह प्रयास नाकाफी है। शहर की नई, पुरानी 45 पानी टंकियों में पहुंचने वाले 300 एमएलडी पानी की आपूर्ति से पहले हर 3 दिन में जांच फिल्टर प्लांट के अधिकारी कर रहे हैं। पानी की जांच के बाद ही शहरभर में इसकी आपूर्ति की जाती है, पर निगम के सार्वजनिक हैंडपंप और पावरपंपों के पानी का उपयोग करने में सजग रहने की जरूरत है। शहर के सभी बोरवेल और पावरपंप के पानी सैंपल जांचने निगम के पास समुचित साधन उपलब्ध नहीं हैं, जबकि गर्मी के दिनों में सार्वजनिक बोरवेल और पावरपंप से आपूर्ति होने वाले पानी का उपयोग रहवासी इलाके के लोग करते आ रहे हैं।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 27 अप्रैल 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

महिलाएं कोसा साड़ियों के डिजाइनों ...

हेल्थ लाइव

डाइट बदलें, नहीं जाना पड़ेगा जिम, हर वर्ग ने किया जुम्बा

रायपुर। हम भारतीय खाने की थाली में आमतौर पर रोटी, सब्जी, दाल, चावल और मिठाइयों का सेवन करते हैं। इन दिनों आम का सीजन होने के कारण बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। हम लोग आमतौर पर कुछ मीठा पहले, तो कुछ मीठा भोजन के अंत में खाते हैं। हमारा डाइट अच्छा है, लेकिन इसे लेने का तरीका हमें बदलना होगा। डाइट का सही तरीका आपको फिट रखेगा और यही हमारे आज के कार्यक्रम का लक्ष्य है। उक्त बातें महाराष्ट्र मंडल के छत्रपति शिवाजी महाराज सभागृह में आयोजित फिट उत्सव में रविवार को फिटनेस कोच श्रेयस कुलकर्णी ने कही। उन्होंने बताया कि आमतौर पर हमारा आहार ज्यादा कार्बोहाइड्रेटयुक्त होता है, जो वजन बढ़ने और डायबिटीज का कारण है। हमारी थाली को संतुलित करने के लिए हमें भोजन में प्रोटीन और फाइबर को शामिल करना होगा।

इसके लिए सिर्फ जिम में जाने की जरूरत नहीं

डाइट विशेषज्ञ ने बताया कि सबसे पहले आपको सलाद खाना चाहिए, जिसमें आपको फाइबर मिलेगा। उसके बाद वसा और प्रोटीन खाना है जैसे अंडा, चिकन, पनीर, टोफू, दही आदि। उसके बाद सब्जियां जैसे लौकी, भिंडी, कद्दू, गोभी के बाद अंत में दाल चावल, ओट्स का उपमा, दलिया खाना चाहिए। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक ऐसा व्यायाम है, जिसमें मांसपेशियों की ताकत, सहनशक्ति बढ़ाने के लिए बाहरी प्रतिरोध जैसे डंबल, रेजिस्टेंस बैंड या शरीर के वजन का उपयोग किया जाता है। इसके लिए सिर्फ जिम में जाने की जरूरत नहीं, घर पर रहकर अपनी स्ट्रेंथ बिल्ड कर सकते हैं। ट्रेनिंग शुरू करने से पहले पांच-दस मिनट का वार्मअप जरूर करें, जिससे चोट न लगे।

डाइट प्लान बदला और जंक फूड से भी घिरे

मोटिवेशनल टॉक के तहत युवा समिति की प्रमुख डॉ. शुचिता देशमुख ने कहा कि फिट रहने के लिए जागरूक होने की कोई उम्र नहीं है। आप जब सक्रिय होंगे, तब से आपकी फिटनेस अच्छी होनी शुरू हो जाएगी। फिट उत्सव का उद्देश्य भी यही है कि लोगों को कैसे फिट रखा जाए, वो भी तब, जब हमारी पीढ़ी का डाइट प्लान पूरी तरह बिगड़ा हुआ है और जंक फूड से घिरे हैं। ऐसे में सही डाइट और सही तरीके से डाइट बेहद जरूरी है। कार्यक्रम की शुरुआत श्रावणी मुकादम के जुंबा डांस के साथ की गई। इसमें कार्यकारिणी सदस्य मालती मिश्रा, युवा समिति के समन्वयक विनोद राखुंडे, अजय पोतदार सहित युवा समिति के पदाधिकारी, सभासद और प्रतिभागी शामिल हुए।

सालगिरह को यादगार बनाने आउटिंग से लेकर पार्टी आयोजन तक में 50 हजार से 5 लाख रुपए तक कर रहें खर्च

शादी के यादगार लम्हों को फिर से जीने मना रहे सालगिरह, वेडिंग पार्टी और डेस्टिनेशन शूटिंग का बढ़ा क्रेज

शादी का पल हर दंपति के लिए अनमोल होता है। ऐसे में जब साल में शादी की सालगिरह आता है, तो इसे फिर से एक बार जीने की चाह में उत्साह से भर जाता है। इस उत्साह को अपने जीवन साथी के साथ साझा करने और अपने रिश्तों को एक नई ताजगी, विश्वास और प्यार के अटूट एहसास के लिए सालगिरह पर रि-क्रिएट वेडिंग पार्टी और डेस्टिनेशन शूटिंग का दंपतियों में क्रेज बढ़ा है।

रायपुर। शहर के जाने माने वेडिंग इवेंट प्लानर अभिषेक अग्रवाल ने शादी की सालगिरह सेलिब्रेशन को लेकर चल रहे नए ट्रेंड के बारे में बताया कि इसको यादगार बनाने के लिए अब केवल केक काटना काफी नहीं है, बल्कि लोग अपनी शादी के दिनों को फिर से जीने के लिए नए ट्रेंड्स अपना रहे हैं। इसमें मंडप में दोबारा सात फेरे लेने से लेकर थीम आधारित वीडियो- फोटोशूट तक शामिल हैं। सात फेरों के साथ-साथ एक आठवां फेरा लेने का ट्रेंड भी चल रहा है, जो पर्यावरण की रक्षा के लिए एक-दूसरे को वचन दे रहे हैं। इंटिमेट रिन्यूअल छोटे मंडप में परिवार के साथ या केवल पति-पत्नी मिलकर अपने रिश्ते को मजबूत करने के लिए प्रतीकात्मक फेरे ले रहे हैं। पारंपरिक मंडप की जगह अब सफेद रंग के मंडप पवित्रता का प्रतीक या फिर प्रकृति के बीच मंडप सजाने का ट्रेंड काफी बढ़ गया है। सालगिरह पर फिर से शादी का जोड़ा पहनकर, बिल्कुल वैसी ही जगह या पोज में फोटोशूट कराना जैसा शादी के दिन कराया था। पुरानी यादों को एक डॉक्यूमेंट्री या छोटी फिल्म के रूप में रिकॉर्ड करा रहे हैं। इतना ही नहीं, इसे ड्रोन से शूटिंग करा रहे हैं। फोटोशूट के लिए सतरंगी थीम जैसे- रॉयल लैवेंडर के साथ शैंपेन गोल्ड या पीच रेड के साथ आइवरी बेज पसंद कर रहे हैं। किसी ऐतिहासिक स्थान या शांत मंदिर में टेम्पल स्टाइल फोटोशूट, जो संस्कृति और शांति को दर्शाता है। छत पर फेयरी लाइट्स, लाइव म्यूजिक के साथ डिनर नाइट ये नए ट्रेंड्स शादी के यादों को ताजा करने और जीवनसाथी को अच्छा महसूस कराने का बेहतरीन तरीका अपना रहे हैं।

सोशल मीडिया पर स्टेटस कर रहें अपलोड

कपल्स शादी की सालगिरह की फोटो-वीडियो के साथ सोशल मीडिया पर अपना स्टेटस अपलोड कर ट्रेंड करा रहे हैं। शानदार और रोमांटिक तस्वीरों के कारण ये शूटिंग न केवल यादगार बन रही हैं, बल्कि सोशल मीडिया पर ट्रेंड भी कर रही हैं। यह चलन न केवल पुराने दिनों की याद ताजा करता है, बल्कि दंपतियों को एक-दूसरे के साथ कुछ अनमोल और सुकून भरे पल बिताने का मौका भी देता है।

पहली, 25वीं और 50वीं सालगिरह सबसे खास

यह ट्रेंड विशेष रूप से 25वीं सालगिरह यानी शादी की सिल्वर जुबली, 50वीं सालगिरह यानी गोल्डन जुबली और नव दंपती अपने पहली सालगिरह को सबसे खास बनाने शादी के लिबास, थीम और फोटोग्राफी रि-क्रिएट वेडिंग रस्में को निभा रहे हैं। इसके लिए दंपति सालगिरह मनाने के लिए खूबसूरत पर्यटन स्थलों, होटल्स और घर पर आयोजन करा रहे हैं।

इन डेस्टिनेशन पर पहुंचना कपल्स को पसंद

शहर के ट्रेव्हल एंड टूर के संचालक कीर्ति व्यास ने बताया कि शूटिंग के लिए उदयपुर सिटी ऑफ लेक्स, गोवा के बीच, जोधपुर, केरल और हिमालय की वादियों को कपल सबसे ज्यादा पसंद कर रहे हैं। सालगिरह को खास बनाने दंपति व नए कपल्स अपनी यादों से जुड़ी जगहों पर पहुंच रहे हैं, जिसे एक कहानियों-आधारित सिनेमाई कपल शूट का रूप दिया जा रहा है। शादी की सालगिरह को सेलिब्रेट करने आउटिंग से लेकर पार्टी आयोजन में 50 हजार से 5 लाख रुपए तक खर्च कर रहे हैं।

सिटी इवेंट

200 बच्चों ने कैनवास पर उकेरी अपनी कल्पनाएं, अभिभावकों ने भी लिया हिस्सा

रायपुर। बच्चों की रचनात्मकता और कला को निखारने मैग्नेटो मॉल में 'खुशियां बांटें अभियान' के तहत ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न आयु वर्ग के लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया और अपनी कल्पनाशक्ति को रंगों के माध्यम से कैनवास पर उतारा। इस आयोजन की खास बात यह रही कि बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों की कलाकृतियों और उनके जोश को देखकर अभिभावक भी काफी उत्साहित नजर आए, जिससे पूरे मॉल का माहौल सकारात्मक और प्रेरणादायक बन गया। नन्हे कलाकारों ने अपनी कला कौशल से वहां उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता का सफल संचालन और संयोजन डॉ. रात्रि लाहरी, सौरभ बक्सी, प्रियंका उपाध्याय, गौरव दुबे और राकेश साहू के मार्गदर्शन में किया गया। सभी आयोजकों ने बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उन्हें अपनी कला प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ये रहे प्रतियोगिता के विजेता

आयोजकों द्वारा बच्चों को तीन अलग-अलग आयु वर्गों में बांटा गया था। प्रतियोगिता 5-10 वर्ष के विजेता विधिका यादव, उपविजेता श्रीवंशी रहे। इसके अलावा 10-16 वर्ष में प्रथम स्थान सिद्धि वर्मा और द्वितीय स्थान लुभांशी साहू ने हासिल किया।16 वर्ष व उससे अधिक के वर्ग के विजेता टिकेंद्र साहू और उपविजेता शीतल कुमार रहे। इन उपलब्धियों के लिए विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

धूप में मां के आंचल की छांव...

रायपुर। राजधानी में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच, माताओं की ममता ही बच्चों का सबसे बड़ा सहारा है। तेज धूप और गर्म हवाओं से अपने नन्हे बच्चों को बचाने के लिए महिलाएं उन्हें इस तरह अपने दुपट्टे और आंचल से ढककर सुरक्षित रख रही हैं।

कल रोजगार मेला, 150 पदों पर भर्ती का मौका

रायपुर। रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कवर्धा जिले में 28 अप्रैल को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें निजी क्षेत्र की कंपनियां विभिन्न पदों पर भर्ती करेंगी। रोजगार मेले में स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा.लि. द्वारा फील्ड ऑफिसर के 30 और कलेक्शन ऑफिसर के 10 पद, श्रमिन टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन के 100 पद तथा श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी द्वारा सेल्स मैनेजर के 10 पदों पर भर्ती की जाएगी। यह मेला पूरी तरह निशुल्क है और चयन की प्रक्रिया संबंधित कंपनियों द्वारा की जाएगी। अभ्यर्थी पद, वेतन और अन्य जानकारी मौके पर ही प्राप्त कर सकेंगे। इच्छुक उम्मीदवारों को रोजगार पंजीयन कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, निवास व जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट फोटो सहित आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। मेला काली मंदिर के पास स्थित जिला रोजगार कार्यालय में आयोजित होगा।

पहली बार स्कूल जाने वाले बच्चों को पैरेंट्स खास तौर पर इंग्लिश-हिंदी लैंग्वेज लर्निंग क्लासेस भेज रहें

कला केंद्र में बच्चों के लिए लैंग्वेज की स्पेशल क्लास, सीख रहे भाषा ज्ञान और उच्चारण की कला

कार्नर न्यूज

स्कूल की छुट्टियों पर बच्चे इंग्लिश-हिंदी लैंग्वेज लर्निंग की क्लासेस पहुंच रहे हैं। पैरेंट्स बच्चों को भाषा ज्ञान व उच्चारण में दक्ष बनाने लैंग्वेज क्लासेस भेज रहे हैं। इसमें पहली बार इस सत्र से स्कूल जा रहे बच्चों की संख्या अधिक हैं, जिन्हें पैरेंट्स खास तौर पर इंग्लिश-हिंदी लैंग्वेज लर्निंग की क्लासेस भेज रहे हैं। शहर के जीई रोड स्थित कला केंद्र में बच्चों के लिए इंग्लिश-हिंदी लैंग्वेज लर्निंग की स्पेशल क्लासेस चल रही है।

रायपुर। कला केंद्र के प्रबंधन टीम के सदस्य संदीप यादव ने बताया कि कला केंद्र में पूरे साल इंग्लिश-हिंदी लैंग्वेज लर्निंग की क्लासेस संचालित हो रही है, जहां बच्चे भाषा ज्ञान और उच्चारण की कला सीखते हैं। लेकिन, समर सीजन में लैंग्वेज की क्लासेस में बच्चों की संख्या अधिक रहती हैं। समर कैंप में तो दो-तीन सेशन में लैंग्वेज क्लासेस लगती हैं, जहां बच्चों को भाषा के विशेषज्ञ अक्षर की पहचान, भाषा ज्ञान और उच्चारण आदि सिखाते हैं। भाषा ज्ञान शिक्षण के लिए 1 मई से स्पेशल समर कैंप का आयोजन होने जा रहा है। इसमें छोटे बच्चों के अलावा बड़े विद्यार्थियों को हिंदी और अंग्रेजी के अलावा छत्तीसगढ़ी व संस्कृत भाषा सिखाई जाएगी। पैरेंट्स कला केंद्र के अलावा भी शहर के अन्य लैंग्वेज क्लासेस व ऑनलाइन लैंग्वेज क्लासेस से भी बच्चों को भाषा ज्ञान अर्जित करने प्रेरित कर रहे हैं।

ए-बी, सी-डी और क-ख-ग को जान रहे

इस लैंग्वेज क्लासेस का उद्देश्य छात्रों को भाषाओं से परिचित कराना है। इससे छोटे बच्चे भाषा ज्ञान से आसानी से संवाद कर सकेंगे। शुरुआत में इन बच्चों को अंग्रेजी भाषा के ए, बी, सी, डी और हिंदी भाषा के क, ख, ग अक्षर पहचान कराया जा रहा है, फिर आगे की क्लासेस में उन्हें बोलना और सही उच्चारण की गुर सिखाया जाएगा। वहीं, स्थानीय बोली छत्तीसगढ़ी और देवभाषा संस्कृति का ज्ञान बड़े क्लास के विद्यार्थियों को दिया जा रहा है।

खेल-खेल में भाषा विशेषज्ञ सिखा रहें बोलने की कला

लैंग्वेज क्लासेस में भाषा विशेषज्ञ बच्चों को फल, सब्जी और जानवरों के नाम लेकर अक्षरों का पहचान करा रहे हैं। वहीं, कविताएं गाकर भाषा का उच्चारण का सुधार कराया जा रहे हैं। इसमें भाषा, अक्षर ज्ञान, संख्या ज्ञान और संवाद कला सिखा रहे हैं। लैंग्वेज की यह क्लासेस स्कूली बच्चों को भाषा ज्ञान में दक्ष बनाने में महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो रहा है।

कैंपस लाइव

विचारों, डेटा और खोज की यात्रा पर रिसर्च प्रोफेशनल्स ने की चर्चा

रायपुर। भारतीय प्रबंधन संस्थान में दस दिवसीय 'रिसर्च समर स्कूल' का समापन किया है। विचारों, डेटा और खोज की यात्रा के रूप में परिकल्पित इस कार्यक्रम को वित्त, अर्थमिति और एनालिटिक्स के क्षेत्र में उन्नत अनुसंधान पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। संस्थान का परिसर इन दस दिनों में शैक्षणिक अन्वेषण और बौद्धिक चर्चाओं के केंद्र के रूप में उभरा, जहां भारत के साथ-साथ नेपाल और दुबई के फैकल्टी सदस्यों, पीएचडी स्कॉलर्स और रिसर्च प्रोफेशनल्स ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए आईआईएम रायपुर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. संजीव पराशर ने कहा कि प्रभावी शोध की शुरुआत जिज्ञासा से होती है और यह सहयोगात्मक प्रयासों और पद्धतियों की सटीकता से मजबूत होती है।

जटिल विषयों पर जानकारी साझा की

उन्होंने जोर दिया कि यह समर स्कूल एक ऐसा रिसर्च इकोसिस्टम विकसित करने के संस्थान के संकल्प को दर्शाता है, जो वैश्विक और वास्तविक दुनिया की वित्तीय चुनौतियों का ठोस समाधान प्रदान कर सके। शैक्षणिक सत्रों के दौरान आईआईएम कोझिकोड, आईआईएम इंदौर और आईआईएम विशाखापत्तनम जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों ने विभिन्न जटिल विषयों पर जानकारी साझा की। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर योगेश चौहान ने उन्नत अर्थमितीय तकनीकों जैसे कि 'डिफरेंस-इन-डिफरेंस' और 'प्रोपेन्सिटी स्कोर मैचिंग' पर सत्रों का नेतृत्व किया, जबकि अन्य विशेषज्ञों ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस, डिजिटल बैंकिंग, फिनटेक इनोवेशन और ईएसजी रिसर्च जैसे उभरते क्षेत्रों पर चर्चा की।

धर्म लाइव

मठ-मंदिरों में भजन, प्रसाद, साधु सेवा, गौशाला संचालन एवं लोक संस्कृति का होगा संरक्षण

रायपुर। मठ-मंदिरों की उपज एवं आय का उपयोग पूर्णतः भजन, प्रसादी, साधु सेवा, गौशाला संचालन एवं लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए किया जाएगा। इसे सुनिश्चित करने प्रदेश में मठ-मंदिरों की सामाजिक अंकेक्षण किया जाएगा। इससे मठ-मंदिरों की आय एवं संसाधनों के पारदर्शी और धर्मसम्मत उपयोग के लिए धर्म स्तंभ काउंसिल ने एक ऐतिहासिक पहल की घोषणा की है। काउंसिल के महंत सुरेंद्र दास ने स्पष्ट कहा है कि मठ-मंदिरों की उपज एवं आय का उपयोग पूर्णतः भजन, प्रसाद, साधु सेवा, गौशाला संचालन एवं लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए ही किया जाएगा। काउंसिल ने प्रदेश के सभी मठ-मंदिरों की आय-व्यय का सोशल ऑडिट कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए मठ-मंदिरों को सूचना पत्रक भेजे जा रहे हैं, जिससे हर स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

मेरा मंदिर-मेरी शक्ति अभियान को बढ़ावा

महंत दिवाकर दास ने मंदिरों की भूमि के सदुपयोग के लिए 'मेरा मंदिर-मेरी शक्ति' अभियान को गति देने की बात कही है। इस अभियान के अंतर्गत पंचवटी वृक्षारोपण, गौशाला निर्माण, भंडारा एवं प्रसाद के लिए कृषि उत्पादन, लोक संस्कृति का संरक्षण जैसे कार्य किए जाएंगे। रामजानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास ने समाज के युवाओं से 'चलो मठ-मंदिरों की ओर' अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि यह पहल नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करेगी।

सिटी लाइव

छत्तीसगढ़ वैष्णव महासभा में नई नियुक्ति कमलेश दास को प्रांतीय उपाध्यक्ष का दायित्व

रायपुर। छत्तीसगढ़ वैष्णव महासभा के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण नियुक्ति करते हुए महासभा के राष्ट्रीय महासचिव लखन दास वैष्णव ने कमलेश दास वैष्णव को छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांतीय उपाध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा। राष्ट्रीय महासचिव लखन दास ने जानकारी देते हुए बताया कि कमलेश दास वैष्णव का परिवार विगत 75 वर्षों से महासभा से जुड़कर निरंतर समाज सेवा में सक्रिय रहा है। उन्होंने भी 26 वर्षों तक समाजहित में कार्य किया है, जिसे देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष चरण दास वैष्णव, दुर्ग मंडल सचिव राजेश्वर वैष्णव, महामंडलेश्वर मुरली सरण वैष्णव बासूला, युवा अध्यक्ष विश्वनाथ बैरागी, कामेश्वर वैष्णव, भरत दास वैष्णव, कविता वैष्णव, अशोक वैष्णव, दिलीप वैष्णव, गजानन वैष्णव, मनबोध दास, राजेंद्र वैष्णव, महिला अध्यक्ष लता रानी वैष्णव, ओमप्रकाश बैरागी, कृष्ण कुमार वैष्णव, जयप्रकाश, प्रदीप दास वैष्णव, तुलसीदास वैष्णव, दामोदर दास वैष्णव राजनांदगांव, व्यास नारायण, महेंद्र, राजेंद्र और मुकेश सहित प्रदेशभर के वैष्णव समाज के लोगों ने समाज हित में कार्य करने शुभकामनाएं दी है।

● उद्यमी महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा रहीं सार्थक कदम, प्रोडक्ट लेने देश ही नहीं

महिलाएं कोसा साड़ियों के डिजाइनों में पिरो रहीं कृषकों की झलक, टेम्पल आर्ट को प्रिंट करके दे रहीं डिफरेंट लुक

'एक दौर ऐसा भी था, जब महिलाएं व्यवसाय से कोसों दूर थीं, लेकिन अब समय के साथ बदलाव देखने को मिलने लगा है। किसी ने दो साल पहले तो किसी ने एक दशक बाद खुद को उद्यमी के रूप में स्थापित करने में लगा दिया। इनमें कोसा साड़ियों के डिजाइन में कृषकों की झलक, बस्तर आर्ट और टेम्पल आर्ट अप एंड डाउन में प्रिंट करके खास लुक दे रही हैं। महिला उद्यमी औषधीय मशरूम से लाखों रुपए कमा रही हैं। देश के विभिन्न शहरों के साथ विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से ऑनलाइन आर्डर भी मिलने लगे हैं।'

आफिसर्स क्लास, महिला प्रतिनिधियों से मिल रहा रिस्पांस

महिला उद्यमी नम्रता अग्रवाल ने बताया कि बुटिक वर्क का प्रशिक्षण लेने के बाद मन बनाया कि ऐसा काम शुरू किया जाए, जो आय का जरिया ही नहीं बने, बल्कि इससे अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इसमें सफल भी हुई, अभी 25 महिलाएं प्रदेश के कोसा वर्क को एक नई पहचान भी दे रही हैं। पांच बुनकरों को जोड़कर कोसा साड़ियों को स्वयं से तैयार किए गए डिजाइनर्स साड़ियों के रूप में प्रिंटिंग शुरू किया। कोसा साड़ियों में कृषकों के जीवन की झलक तथा काथा वर्क, संबलपुरी थीम पर डिजाइन करते हैं। साथ ही बस्तर आर्ट और टेम्पल आर्ट को अप एंड डाउन में साड़ियों पर प्रिंट करते हैं। इसे देश के कई शहरों से ऑनलाइन डिमांड पर भेजते हैं। मेरे साथ काम करने वाली महिलाएं भी हर महीने 15 से 20 हजार रुपए कमा रही हैं।

रायपुर। महिलाएं अब हुनर को स्किल्ड करने के साथ ही व्यापार के क्षेत्र में भी सार्थक कदम बढ़ा रही हैं। इसके लिए महिला चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स की अध्यक्ष डॉ. इला गुप्ता ने टीम से जुड़ी 200 से अधिक प्रदेश की महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने और उन्हें प्रोडक्ट डिस्प्ले करने के लिए बाजार भी देना शुरू किया है। इसका अच्छा रिस्पांस भी मिलने लगा है।

हरिभूमि ने महिला उद्यमियों से उनकी पहल और उसे किस तरह से बेचने के लिए प्रयास करती हैं, इसके बारे में जानने का प्रयास किया। इससे कई बातें सामने आईं। वे आत्मनिर्भरता की ओर न केवल कदम आगे बढ़ा रही हीं, बल्कि घर-गृहस्थी में ही समय बिताने वाली गृहणियों के लिए प्रेरक भी बन रही हैं। जिन उद्यमियों से चर्चा की गई, उन्होंने बताया कि छोटे प्रयास से खुद पर भरोसा बढ़ता है। बस, एक सार्थक पहल की जरूरत होती है।

मैकेनिकल इंजीनियर ने की पहल, दिया व्यवसाय का रूप

गोल चौक डीडीनगर में रहने वाली मैकेनिकल इंजीनियर ममता अग्रवाल ने बताया कि महंगे कॉर्डिसेप्स मिलिटेरिस जिसे जड़ी मशरूम के रूप में लोग जानते हैं, इसको उगाने के साथ इससे आय कैसे अर्न करनी है, इन तमाम चीजों को जानने के लिए डायरेक्ट्रेड ऑफ रिसर्च सेंटर हिमांचल से संपर्क किया। उसके बाद करीब दो साल पहले घर के 280 वर्गफीट एरिया में 18 डिग्री तापमान में मशरूम उगाने का काम शुरू किया। जो हर महीने करीब एक से डेढ़ किलो की क्वॉंटिटी में मिलता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने सहित कई तरह की औषधियों को बनाने में इसका उपयोग किया जाता है। अब दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू, पुणे जैसे शहरों के अलावा अबुधाबी में रहने वाले स्वदेशियों से मिलने वाले आर्डर को पूरा करते हैं। इसे 90 हजार से एक लाख रुपए प्रति किलो की दर से आर्डर पर बेचते हैं।

दशनाम गोस्वामी समाज ने शंकराचार्य जयंती पर किया प्रतिभाओं का सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ सनातन दशनाम गोस्वामी समाज ने रविवार को शहीद स्मारक भवन में भक्तिमय माहौल में जगद्गुरु शंकराचार्य की जयंती समारोह का आयोजन किया। इसमें छत्तीसगढ़ गोस्वामी समाज ने प्रतिभाओं और अलग-अलग क्षेत्र में सेवाभाव से उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के लोगों का भी मंच पर सम्मान किया। इस आयोजन में अतिथि के रूप में दंडी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती, विवेक गिरी महाराज, डॉ. महंत रामसुन्दर दास एवं सच्चिदानंद गिरी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय गोस्वामी महासभा) मंच पर विराजमान थे। समारोह में गोस्वामी समाज के प्रांतीय अध्यक्ष मोहनपुरी गोस्वामी, वीरेंद्र पुरी, चित्रसेन गिरी ने समाज को सनातन धर्म से जुड़ी परंपरा का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, लिल्लार पुरी, महंत हरभूषण गिरी, सुरेन्द्र पुरी, किशोर पुरी ने समाज के युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया।

बेहतर काम करने वालों का किया गया सम्मान

वहीं ओंकार पुरी प्रभाकर, योगेंद्र पुरी, नारायण गिरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रितम गिरी ने समाज को संबोधित किया। जिलाध्यक्ष वेदपुरी गोस्वामी, संतोष पुरी, आनंद गिरी, नीलम बन सहित डॉ. संजय गिरी और सुधीर बन की अगुवाई में विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ठ अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों का समाज के बीच सम्मान करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस कड़ी में अलग-अलग क्षेत्र में सेवा कार्य करने वाले समाज के लोगों को भी सम्मानित किया गया। समारोह को सफल बनाने में योगेंद्र पुरी, रमेश पुरी, सुरेंद्र गिरी और हेमंत गोस्वामी ने योगदान दिया। मंच संचालन नरेन्द्र पुरी द्वारा किया गया। समाज की मातृ शक्ति की विशाल उपस्थिति ने समारोह को गरिमामय बनाया।

सामाजिक एकता पर दिया जोर

अतिथियों ने समारोह के दौरान सामाजिक एवं पारिवारिक एकता पर जोर देते हुए कहा कि आपसी तालमेल से समाज को बदलाव के इस दौर में संजोने का प्रयास हर किसी को करना होगा। जिला अध्यक्ष वेदपुरी गोस्वामी ने आगामी कार्ययोजनाओं को फलीभूत करने के लिए किए जा रहे प्रयास के संदर्भ में समाज के लोगों को बताया कि बेटे-बेटियों की शिक्षा, उनके भविष्य का निर्माण करने के लिए पारिवारिक स्तर पर सार्थक प्रयास करना होगा, तभी समाज समृद्ध होगा।

सेंट्रल जेल में शिविर लगाकर गायत्री परिवार ने दिया सदाचार का मंत्र

रायपुर। सेंट्रल जेल में 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग के विचाराधीन बंदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जेल प्रशासन के सहयोग से गायत्री परिवार द्वारा एक विशेष 'नैतिक शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास' सत्र का आयोजन किया गया। 6 अप्रैल से शुरू हुए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अपराध का मार्ग त्यागकर नेक इंसान बनने के लिए प्रेरित करना था। जेल महानिदेशक हिंमाशु गुप्ता के मार्गदर्शन और जेल अधीक्षक योगेश सिंह के विशेष सहयोग से आयोजन का सफल समापन किया गया। जेल प्रशासन का मत है कि आध्यात्मिक और नैतिक आयोजनों से बंदियों के व्यवहार में सकारात्मक सुधार, आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे वे भविष्य में समाज की मुख्य धारा में स्थापित हो सकेंगे।

बंदियों ने नेक रास्ते पर चलने का लिया संकल्प

इस आयोजन का समापन दीप महायज्ञ से किया गया। इस दौरान बंदियों को गायत्री परिवार के संस्थापक युगदृष्टा पं. श्रीराम शर्मा द्वारा रचित 'सत संकल्प' का पाठ कराया गया। सभी बंदियों ने बुराई को छोड़कर नेक रास्ते पर चलने का सामूहिक संकल्प भी लिया। गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी प्रज्ञा प्रकाश निगम ने बताया कि स्थानीय प्रशासन के सहयोग से गायत्री परिवार द्वारा बंदियों के सुधार के लिए इस प्रकार के आयोजन केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि विभिन्न राज्यों की जेलों में भी निरंतर चलाए जा रहे हैं। इसमें गायत्री परिवार से डॉ. सुखराम साहू, तोरण साहू, जगन्नाथ साहू, दिनेश निषाद, गौरव कृष्ण दास सहित जेल के शिक्षक शशांक दीवान, नेतराम नकतोड़े विशेष रूप से शामिल हुए।

मनुष्य संसार में अपने भाग्य का निर्माता स्वयं

गायत्री शक्तिपीठ के परिव्राजक नीलम सिंह सिन्हा ने प्रतिदिन बंदियों को अनुशासित जीवन एवं सदाचार का पाठ पढ़ाते हुए पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के दार्शनिक विचारों को साझा किया। उन्होंने बताया कि मनुष्य मूल रूप से भटका हुआ देवता है। उनमें ईश्वरीय क्षमता मौजूद है। लेकिन वासना, तृष्णा और अहंकार के कारण असली पहचान भूल गया है। आत्म-साधना और सत्कर्मों के जरिए कोई भी व्यक्ति फिर से देवत्व को प्राप्त कर सकता है। बंदियों को विश्वास दिलाया कि मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है। वह अतीत की गलतियों को सुधार कर उज्जवल भविष्य की नींव रख सकता है। बंदियों को ध्यान योग, व्यक्तित्व विकास, जीवन प्रबंधन एवं संस्कार निर्माण जैसे विषयों को लेकर मार्गदर्शन दिया।

भाईचारे व सुख-समृद्धि के लिए सकल जैन समाज ने किया नवकार जाप

25 हजार से ज्यादा परिवारों ने गोदोहासन कैवल्य मुद्रा में 5 लाख नवकार का किया जाप, भारत के साथ विदेशों से भी लिया हिस्सा

कार्नर न्यूज

रायपुर। भगवान महावीर स्वामी के कैवल्य कल्याणक दिवस के अवसर पर जैन संवेदना ट्रस्ट के आह्वान पर विश्वभर के सकल जैन समाज ने 'गोदोहासन मुद्रा' में नवकार महामंत्र का जाप किया। वीर प्रभु से युद्ध व हिंसा मुक्त समाज, आपसी भाईचारे और विश्व की सुख-समृद्धि के लिए यह विशेष प्रार्थना की गई। भगवान महावीर स्वामी ने दीक्षा ग्रहण कर साढ़े बारह वर्ष तक कठोर साधना की थी और वैशाख शुक्ल दशमी के शुभ दिवस पर ऋजुबालिका नदी के तट पर शाल वृक्ष के नीचे गोदोहासन मुद्रा में 'काउसग्ग' ध्यान करते हुए केवल ज्ञान की प्राप्ति की थी। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि वीर प्रभु ने सदैव विश्व कल्याण की कामना की थी। इसी भावना को आत्मसात करते हुए विश्व भर के जैन समाज ने कैवल्य मुद्रा (गोदोहासन) में नवकार महामंत्र का जाप कर विश्व में शांति, युद्ध व हिंसा मुक्त समाज और भाईचारे व समृद्धि के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि भक्त की प्रार्थना में बहुत बड़ी शक्ति होती है। इस आयोजन से बच्चों के ज्ञान में भी वृद्धि हुई है। उन्हें महावीर स्वामी के केवल ज्ञान और गोदोहासन मुद्रा के बारे में जानकारी मिली। बच्चों ने अपने परिवार के साथ उत्साहपूर्वक नवकार जाप में भाग लिया। यह जाप पच्चीस हजार से ज्यादा परिवारों में किया गया, जिसमें सवा पांच लाख नवकार जाप संपन्न हुए।

12 नवकार महामंत्र का जाप

पूरे छत्तीसगढ़ के कई शहरों सहित बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, तमिलनाडु, कर्नाटक और दिल्ली से सपरिवार गोदोहासन मुद्रा में नवकार जाप की जानकारी व तस्वीरें व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त हुई हैं। जैन भाई-बहनों ने अपने घर के मंदिर में या वृक्ष के नीचे ज्ञान के प्रतीक स्वरूप दीपक प्रज्वलित कर गोदोहासन में 12 नवकार महामंत्र का जाप किया। इसके अलावा कई लोगों ने पांच बार भी जाप किया। सकल जैन समाज ने इस दृढ़ विश्वास के साथ जाप किया है कि विश्व के जिम्मेदार राष्ट्राध्यक्ष युद्ध व हिंसा मुक्त समाज तथा भाईचारे की स्थापना के लिए सकारात्मक प्रयास करेंगे।

अहिंसा, दया, करुणा और 'जियो और जीने दो' के उपदेशों का अनुसरण

नवकार जाप से विश्व के नेताओं को परमात्मा से सद्बुद्धि मिलेगी, ताकि वे युद्ध व हिंसा का मार्ग छोड़कर भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा, दया, करुणा और 'जियो और जीने दो' के उपदेशों का अनुसरण करें। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण समाज व उन्नति में सहभागी बनने की इस प्रार्थना और दृढ़ विश्वास की जीत निश्चित है। इस वर्ष भगवान महावीर स्वामी के कल्याणक दिवस पर विविध धर्म आराधनाएं की जाएंगी। कैवल्य कल्याणक के अगले दिन ही भगवान महावीर स्वामी ने 'चतुर्विध संघ' की स्थापना की थी। साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका ये ही जैन संघ के चार प्रमुख स्तंभ हैं। वैशाख सुदी ग्यारस को वर्तमान शासनपति महावीर स्वामी के जैन संघ का स्थापना दिवस है। वर्तमान के सभी साधु-साध्वी और श्रावक-श्राविका इसी जैन धर्म संघ का अभिन्न हिस्सा हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

भिलाई, राजनांदगांव, राजहरा और कांकेर में अंडर-16 का पहला दौर शुरू

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) द्वारा आयोजित अंडर-16 एलिट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले दौर की शुरूआत रविवार से हुई। पहले दिन विभिन्न टीम के बीच शानदार मैच हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 में टीम बीएसपी विरुद्ध बिलासपुर में बल्लेबाजी करते हुए बिलासपुर टीम पहली पारी में 212 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में बीएसपी ने पहली पारी में बिना कोई विकेट खोए 33 रन बनाए।

दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में टीम प्लेट कंबाइंड विरुद्ध भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन मैच हुआ। बल्लेबाजी करते हुए भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन टीम पहली पारी में 170 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में प्लेट कंबाइंड ने पहली पारी में बिना कोई विकेट खोए 4 रन बनाए। दल्ली राजहरा में टीम रायपुर ब्लू विरुद्ध राजनांदगांव के मैच में बल्लेबाजी करते हुए रायपुर ब्लू ने पहली पारी में तीन विकेट पर 293 रन बनाए। न्यू ग्राउंड कांकेर में टीम दुर्ग विरुद्ध रायपुर के मैच में बल्लेबाजी करते हुए दुर्ग टीम पहली पारी में 151 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायपुर ने पहली पारी में बिना कोई विकेट खोए 25 रन बनाए।

अंडर-19 जारी, टी-20 का सेमीफाइनल कल

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) द्वारा आयोजित महिला अंडर-19 एक दिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी रविवार को मैच हुए। कल्याण कॉलेज सेक्टर 7 के मैदान में टीम सेंट्रल जोन विरुद्ध नॉर्थ जोन में परिणाम सेंट्रल जोन टीम ने दो विकेट से जीता। मिनी स्टेडियम खुर्सीपार में टीम ईस्ट जोन विरुद्ध साउथ जोन में परिणाम ईस्ट जोन ने 5 विकेट से जीता। वहीं छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) द्वारा आयोजित सीनियर प्लेट ग्रुप टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमी फाइनल मैच सोमवार 27 अप्रैल से खेले जाएंगे। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम बिलासपुर (ब्लू) विरुद्ध जशपुर और आरडीसीए रायपुर में टीम राजनांदगांव विरुद्ध सरगुजा का मुकाबला होगा।

राज्य स्तरीय शतरंज के लिए चुने गए खिलाड़ी

रायपुर। रायपुर जिला शतरंज अकादमी द्वारा अंडर-7 बॉयज एंड गर्ल्स शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन बलवीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम हुआ। जिसमें दो दो खिलाड़ी प्रति वर्ग में चयन हुआ। जो बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम रायपुर में आगामी 2 मई एवं 3 मई को होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रायपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में बालिका में प्रथम विधि गुप्ता, द्वितीय प्रिशा सैनी,बालक में प्रथम जेरेमिया जॉन रोहमी और द्वितीय वियो खरे रहे।

नेटबॉल और रोलबॉल को बढ़ावा देने जुटे खेल प्रेमी, नई कार्यकारिणी का गठन

रायपुर। मुंगेली जिला नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं रोलबॉल एसोसिएशन की कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, नगर पालिका मुंगेली के अध्यक्ष रोहित शुक्ला, कमल सलूजा, जिला खेल अधिकारी संजय पाल एवं श्री पाठक उपस्थित रहे। राज्य से पर्यवेक्षक के रूप में छत्तीसगढ़ नेटबॉल संघ के सचिव राजेश राठौर की उपस्थिति में दोनों संगठनों की कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिला नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन की कार्यकारिणी में संरक्षक दीनानाथ केशरवानी, रोहित शुक्ला, कमल सलूजा, अध्यक्ष सचिन मसीह, सचिव स्वप्निल चुनेकर, उपाध्यक्ष रामनाथ जायसवाल, कोषाध्यक्ष अजय राही, सहसचिव संतराम यादव, सदस्य थवि सिंह, राजनंदिनी निराला, वेद प्रकाश कुर्रे और मेघा रानी शामिल किए गए। जिला रोलबॉल एसोसिएशन की कार्यकारिणी में अध्यक्ष सचिन मसीह, उपाध्यक्ष अजय राही, रामनाथ जायसवाल, श्रीमती रामेश्वरी तिवारी चुने गए।

फाइबर की कमी की पहचान की जा सकती है आसानी से

अच्छी सेहत के लिए आहार में फाइबर की कमी न होने दें, पाचन से लेकर दिल तक को रखेंगे दुरुस्त

फाइबर पाचन से लेकर दिल की सेहत तक, हर चीज में अहम भूमिका निभाता है, इसलिए अपनी रोजाना की डाइट में फाइबर वाली चीजों को शामिल करना बहुत जरूरी है। क्या आपकी डाइट में तो फाइबर की कमी नहीं है?

अच्छी सेहत चाहते हैं तो स्वास्थ्य विशेषज्ञ खान-पान में सुधार को सबसे जरूरी मानते हैं। कई अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि अगर हम सभी सिर्फ डाइट में ही सुधार कर लें तो इससे कई तरह की बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। डायबिटीज हो या हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारियां हों या लिवर-किडनी की समस्याएं, इन सभी के लिए डाइट में गड़बड़ी को एक बड़ा कारण माना जाता रहा है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को रोजाना ऐसी चीजों के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर के लिए जरूरी ज्यादातर पोषक तत्वों की पूर्ति हो सके। जब बात हेल्दी डाइट और जरूरी पोषक तत्वों की आती है तो हमारे दिमाग में सबसे पहला ख्याल प्रोटीन का आता है। हालांकि प्रोटीन के साथ फाइबर वाली चीजों को भी आहार में शामिल करना बहुत जरूरी हो जाता है। फाइबर पाचन से लेकर दिल की सेहत, डायबिटीज से लेकर कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने तक

में अहम भूमिका निभाता है। क्या आपकी डाइट में भरपूर फाइबर वाली चीजें हैं?

क्या कहती हैं विशेषज्ञ?

पुणे स्थित एक अस्पताल में डायटीशियन श्वेता गर्ग बताती हैं, फल-सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, नट्स और सीड्स फाइबर का स्रोत हैं। फाइबर को शरीर का क्लीनिंग सिस्टम भी कहा जाता है। यह आंतों को स्वस्थ रखता है और भोजन को सही तरीके से पचाने में मदद करता है। हालांकि जिस तरह से लोगों के खान-पान के तरीके में बदलाव आ रहा है, जंक-प्रोसेस्ड फूड्स की तरफ लोगों की रुचि ज्यादा बढ़ रही है इसने फाइबर की कमी का खतरा भी बढ़ा दिया है। अच्छी बात ये है कि फाइबर की पूर्ति के लिए आपको महंगे सप्लीमेंट्स की नहीं, बल्कि खान-पान में बस छोटे-मोटे सुधार की जरूरत होती है। अब सवाल ये है कि आखिर ये कैसे जाना जाए कि हमारी थाली में फाइबर की मात्रा ठीक है या नहीं?

कितना फाइबर अच्छी सेहत के लिए जरूरी?

डायटीशियन बताती हैं, वयस्कों को रोजाना लगभग 25-35 ग्राम फाइबर की जरूरत होती है, खान-पान में सुधार करके इसकी पूर्ति भी आसानी से की जा सकती है। हालांकि अगर आपकी डाइट में प्रोसेस्ड-फास्ट फूड और रिफाइंड आहार ज्यादा हैं तो ये शरीर में फाइबर की कमी करके कई तरह की दिक्कतें पैदा कर सकते हैं। फाइबर के लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च करने की भी जरूरत नहीं है। दैनिक खानपान वाली चीजें भी इसकी जरूरतों को पूरा कर सकती हैं।

आपकी डाइट में तो फाइबर की नहीं है कमी?

फाइबर की कमी शरीर को कई प्रकार से प्रभावित करती है। इससे कब्ज से लेकर सेहत से संबंधित कई दिक्कतें बढ़ जाती है। इन लक्षणों के आधार पर आप जान सकते हैं कि आपकी डाइट और शरीर में फाइबर की कमी तो नहीं है? जब भोजन में पर्याप्त फाइबर नहीं होता, तो पाचन खराब हो जाता है, मल सख्त हो जाता है और शौच में दिक्कत हो सकती है। पेट भारी लगना, गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याएं हो रही हैं तो ये फाइबर की

कमी का संकेत हो सकती है। फाइबर की कमी से ब्लड शुगर तेजी से ऊपर-नीचे होने लगता है, क्योंकि फाइबर भोजन के पाचन को धीमा करता है, इसकी कमी में शुगर जल्दी बढ़ती है। लो फाइबर कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ सकता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है। फाइबर की कमी से आंतों के गुड बैक्टीरिया कमजोर होने लगते हैं, जिससे इम्यून सिस्टम प्रभावित होता है।

बच्चे को एसी या कूलर की आदत पड़ चुकी तो एहतियात जरूर बरतें

मई आने के पहले ही गर्मी का कहर शुरू हो चुका है। हर कोई गर्मी से बेहाल है। गर्मी और उमस से छुटकारा पाने के लिए हर कोई कूलर या एसी में रहना चाहता है। एसी या कूलर की हवा काफी हद तक आपको सुकून पहुंचाती है। लेकिन क्या यह हवा नवजात शिशु या छोटे बच्चों के लिए सुरक्षित होती है ? अक्सर माता पिता इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. रीमा पांडया के मुताबिक आप बच्चे को एसी या कूलर की हवा में सुला सकते हैं लेकिन आपको इस दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना होता है। आइए जानते हैं बच्चे को एसी या कूलर में सुलाते वक्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

बच्चे को एसी या कूलर में सुलाते हैं तो हमेशा ध्यान रहे कि आपके बच्चे पर सीधी हवा नहीं पड़े। बच्चों की इम्यूनिटी कमजोरी होती है ऐसे में थोड़ी सी ठंड में भी आपके बेबी को सर्दी जुकाम और बुखार हो सकता है। समय-समय पर आप अपने बच्चे के शरीर को छूते रहें, ताकि आपको मालूम चले कि बच्चे को बुखार तो नहीं। बच्चे को अगर आप एसी वाले कमरे से दूसरे कमरे में शिफ्ट कर रहे हैं तो तुरंत ऐसा न करें, पहले एसी बंद करके बॉडी को रूम टेंपरेचर पर लाएं, इसके बाद ही उसे दूसरे कमरे में ले जाएं।

तुलसी के पत्तों के इस उपाय से बदल सकती है आपकी किस्मत, नहीं होगी धन की कमी

घर में तुलसी का पौधा रखने से आर्थिक तंगी दूर होती है। शास्त्रों में इसे देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता है। तुलसी के पौधे की नियमनुसार पूजा करने से वास्तु दोष भी दूर होता है। हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत पवित्र माना जाता है। त्योहारों में इनकी पूजा करने से घर में लक्ष्मी जी का वास होता है। ऐसी मान्यता है जिस घर में तुलसी का पौधा होता है, वहां हमेशा देवी मां की कृपा बनी रहती है। बता दें, भगवान विष्णु के अलावा श्रीकृष्ण और हनुमान जी को भी तुलसी अति प्रिय है। तुलसी न केवल धार्मिक दृष्टि से फलदायी है बल्कि इसे स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक माना जाता है। इसमें मौजूद औषधीय गुण शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं।

तुलसी की पत्तियों से जुड़ें उपाय जीवन की राह बदलने के काम करते हैं। दरअसल, तुलसी की पत्तियों के उपाय करने से तरक्की के योग बनते हैं। साथ ही कई अन्य लाभ भी जातक को मिलते हैं। इसी कड़ी में आइए इससे मिलने वाले अन्य लाभ के बारे में भी जान लेते हैं।

तुलसी की पत्तियों के उपाय

शुक्रवार के दिन तुलसी के पौधे से 11 पत्तियां तोड़कर आटे के डिब्बे में डाल दें। मान्यता है कि इससे अन्न की कमी नहीं होती है। साथ ही घर परिवार में बरकत

होती है।

अगर आप आर्थिक समस्या से परेशान हैं, तो तुलसी के पत्तों को किसी लाल रंग के कपड़े में बांधकर रख दें। बाद में इसे अपने पर्स या अलमारी में किसी जगह रख दें। ऐसा करने से घर में धन की आवक बढ़ती है।

गुरुवार के दिन तुलसी की पत्तियों को भगवान विष्णु जी को अर्पित कर दें। बाद में इन्हें पीले रंग के कपड़े में बांधकर अलमारी में रख दें। इससे मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी।

भाग्योदय के लिए आटे के दीपक में घी डालें। फिर इसके बाद एक चुटकी हल्दी डालकर शाम के समय इसे प्रज्वलित करें। बाद में उस दीपक तुलसी की जड़ों में उत्तर दिशा में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से आपकी बंद किस्मत खुल सकती है।

मनोकामना पूरी करने के लिए आप पीतल के लोटे में 4 से 5 तुलसी की पत्तियां डालें। इसके बाद इसे डालकर करीब 24 घंटे के लिए रख दें। अगले दिन इस जल को घर के प्रवेश द्वार के साथ अन्य हिस्सों में छिड़क दें। ऐसा करने से मनोकामना पूरी हो सकती है। तुलसी की 11 पत्तियों को धूप में सुखा लें। इसके बाद इसपर नारंगीरंग के सिंदूर में सरसों का तेल मिलाकर इसपर राम का नाम लिखें। इसके बाद उन पत्तों की माला को हनुमान जी को चढ़ा दें। इससे सुख में वृद्धि होती है।

Education Time
CARDINAL WARRIORS
ADMISSIONS OPEN 2026-27
Affordable School + Sainik School Preparation
"Build Discipline, Intelligence & Future Defence Leaders from Early Classes"
Integrated Abacus + Vedic Maths
AISSEE Exam Preparation (No Extra Cost)
Focus on NDA + SSB Foundation
Modern Science & Technology Lab
Transport Facility Available
Admission Closing Soon
Limited Seats - Register Now
7880006456
Branch Raipur, Bhilai Manendragarh
MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
Admission Open
"EDUCATION MAKES FUTURE BETTER"
Register Now at www.mesraipur.com
Civil Lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.)
Contact : 94252-14413, 93296-21221
Strong Academic Foundation & Personalized Attention
Spoken English & Personality Development
Safe & Reliable Transport with Surveillance
Smart Learning with activity based teaching methods
Regular Seminars, competitions & interactive sessions
Scholarships for Meritorious Students (90% & Above from Other Schools)
Bright Kids ACADEMY
ADMISSION OPEN! Session: 2026-27
PRESCHOOL
DAYCARE CENTRE
Transportation Facilities Available
+91 96696 53335, 78282 53335
Address: Near Ramkrishna Hospital, Triveni Vihar, Pachpedi Naka Raipur (C.G.)
ROYAL PUBLIC SCHOOL
In Pursuit of Excellence
Admission Open
For Play Group, Pre-Primary, Classes 1st to 12th (Maths, Bio, Com. Arts)
Chourasiya Coloney Near, Simran City Santoshi Nagar, Raipur
Call - 0771-4913336, 9589085558
Transport Service Available
Play, Learn and Grow... Together!
CARDINAL WARRIORS JUNIORS SCHOOL
Bhatagaon, Near Vardhman Motors, Raipur, C.G-492013
UDISE No: 22110417914
ADMISSION OPEN FOR REGISTRATION (Season 26-27)
Facilities: Abacus & Vedic Maths, Mnemonic and AISSEE, Science & Technology Lab, Transport Facility
Our Website - www.cardinalwarriors.com
Affordable Fees 9303537872
Contact to Add Your School - 7987119756
रायपुर बाजार
Contact For Advertisement 79871 19756 90981 38778
पटेल बोरवेल्स
मोटर बाइंडिंग किया जाता है
रिंग रोड नं. -1 संतोषी नगर चौक, बोरिया रोड रायपुर (छ.ग.)
9200003357 ★ 7999898750
पैसा चाहिए? हमारे पास आइए
न्यूनतम कागजी कार्यवाही
5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन
(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित
आज लोन लीजिए 100 किश्तों में पटाइये
मोटवानी फायनेंस 93404-44755
गली नं. 03, सिंधी कॉलोनी, तेलीबांधा, रायपुर
25 सालों का विश्वास शीतल कूलर के निर्माता
कूलर हाउस
Sunday Open
रूम ठंडा करने की गारंटी फीटिंग के साथ
गांधी चौक महंत कॉलेज नगर निगम चौक, रायपुर
आकाश जैन - 98261-64650, रतन जैन - 98271-29211
आपके विज्ञापन के लिये जगह उपलब्ध है।
संपर्क करें
मो. 6263818152, 7067183593

खबर संक्षेप

सीए ग्वालानी ने महिला-युवा सीए के शक्तिकरण पर दिया जोर

रायपुर। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान की महिला एवं युवा सदस्य समिति की 35वीं राष्ट्रीय बैठक आईटीओ नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय परिषद सदस्य सीए पुरुषोत्तम एच. खंडेलवाल ने की, जबकि उपाध्यक्ष के रूप में सीए श्रीप्रिया कुमार उपस्थित रहीं। बैठक में समिति की नई टीम वर्ष 2026–27, पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि तथा समिति के कार्यों पर चर्चा की गई। साथ ही महिला और युवा सदस्यों के कौशल विकास, नेतृत्व और नए अवसरों को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के बाद सीए रवि ग्वालानी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए प्रसन्ना कुमार तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सीए मंगेश किनरे से मुलाकात कर विभिन्न प्रोफेशनल विषयों पर विस्तृत चर्चा की एवं उन्हें छत्तीसगढ़ आने का आमंत्रण दिया। बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए प्रफुल्ल छाजेड़, केंद्रीय परिषद सदस्य सीए प्रीति सावला, विजयवाड़ा शाखा के पूर्व अध्यक्ष सीए नरेंद्र बाबू, जालंधर से सीए सोनिया, समिति की सचिव तपोलब्धा बनर्जी, केंद्रीय परिषद सदस्य सीए मधुकर हिरेगंगे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शराब दुकान में सेंधमारी, नकदी सहित शराब बोतल की चोरी

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र के गोकुल नगर स्थित अंग्रेजी शराब दुकान में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक चोर अंग्रेजी शराब दुकान में सेंधमारी कर नकदी 10 हजार रुपए तथा शराब की बोतल चोरी कर ले गया। शराब दुकान में चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। कैमरे में एक लड़का शराब दुकान के पीछे की दीवार में छेद कर दुकान के अंदर घुसते दिख रहा है। शराब दुकान के सुपरवाइजर यशवंत बाघ ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। यशवंत ने पुलिस को बताया है कि रात 11 बजे शराब दुकान बंद कर घर जाने के बाद दूसरे दिन सुबह दुकान खोलने पर पीछे की दीवार टूटी मिली। अंदर जांच करने पर गल्ले से 10,260 रुपए कैश और शराब की बोतलें गायब मिलीं। फूटेज खंगालने पर एक अज्ञात युवक हरे रंग की शर्ट पहने नजर आया, जो शराब की बोतल लेकर निकलते और गल्ले से पैसे निकालते दिख रहा है। सीसीटीवी फूटेज के आधार पर पुलिस चोर की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी की बात कह रही है।

अभनपुर बस स्टैंड में रक्तदान शिविर आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ एवं मित्र गण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में 27 अप्रैल को अभनपुर बस स्टैंड में रक्तदान शिविर का आयोजन रखा गया है। यह शिविर नितेश सिन्हा की जयंती के अवसर पर लगाया जाएगा। आयोजनकर्ताओं ने बताया कि स्व. नितेश सिन्हा, जो संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष रहे, ने संगठन एवं समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य किए थे। उनकी स्मृति और समाजसेवा को सम्मान देने के उद्देश्य से यह रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील की है।

किसी भी भूमि के व्यावसायिक उपयोग पर लगेगा अब शुल्क

रायपुर। राजधानी रायपुर में अब शासकीय हो या निजी किसी भी जमीन पर व्यवसायिक उपयोग करने पर नगर निगम शुल्क लेगा।नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम बाजार विभाग की ओर से आदेश जारी किया है। इसके तहत प्रदर्शन कर की दरों में मेयर इन काउंसिल का संकल्प-23 पारित एवं सामान्य सभा का संकल्प 13 में लिए गए निर्णय के अनुसार वृद्धि की गई दरों की सूची जारी कर दी है। सूची के अनुसार सिनेमा गृह 50 रुपए प्रति शो यथावत, सर्कस 100 रुपए प्रति शो यथावत, जादूगर 200 रुपए प्रति शो यथावत, मॉल 600 रुपए प्रति शो, मीना बाजार (प्रदर्शन शुल्क) 500 रुपए प्रतिदिन यथावत। आदेश के अनुसार नया शुल्क दर 11 अप्रैल से प्रभावशील कर दिया है।

दर्जनभर एरिया में नई व पुरानी लाइन से जल आपूर्ति, फिर भी जल संकट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम के 10 जोन के 70 वार्ड में जल विभाग 43 पानी टंकियों के माध्यम से आमतौर पर 240 एमएलडी पानी की आपूर्ति करता है, पर गर्मी के सीजन में फिल्टर प्लांट से इसकी मात्रा बढ़कर प्रतिदिन 300 एमएलडी पानी की खपत तक जा पहुंची है। यानी सामान्य दिनों की तुलना में 60 एमएलडी ज्यादा पानी की आपूर्ति हो रही है। इसके बाद भी जलसंकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। आमासिवनी, कचना, सड्डू, लभांडी, दलदलसिवनी, खम्हारडीह, भनपुरी, चंगोराभाठा सहित अन्य रहवासी इलाके ऐसे हैं, जहां पेयजल संकट दूर करने नगर निगम विभागीय टैंकर के अलावा किराए के पानी टैंकर भेज रहा है।

जल वितरण में खामी, निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल

चिन्हांकित एरिया इस तरह

नगर निगम जोन 4 : ब्राम्हणपारा, पुरानी बस्ती वाला क्षेत्र, धोबी गली, लिली चौक, पुरानी बस्ती थाना के पास कंकाली पारा एरिया, अवधिया पारा एरिया।

जोन 5 : रामकी जानकी मंदिर के पास ढीमरपारा।

जोन 6 : टैगोर नगर, आरएमएस कालोनी मोतीबाग पानी टंकी वाला कमांड क्षेत्र है, जहां दो लाइन में पानी जा रहा है।

जल संकट की वजह ये भी

- पानी टंकी कैचमेंट का दायरा आमतौर पर 2 किलोमीटर क्षेत्र निर्धारित है, पर बसाहट बढ़ने से कैचमेंट एरिया से 4 किलोमीटर दूरी तक पाइप लाइन बिछाकर घनी बसाहट में पानी आपूर्ति की जा रही है।
- वाल्व के साथ छेड़छाड़ भी रहवासी इलाकों में पानी की किल्लत एक बड़ा कारण है। अमृत मिशन में ब्राम्हणपारा, पुरानी बस्ती, लिली चौक, कुकरीपारा, महापौर निवास के पास नई पाइप लाइन बिछाई गई, जहां पुरानी पाइप लाइन से पहले से पानी आपूर्ति हो रही है। उस पुरानी पाइप लाइन को डिसकनेक्ट करना था, पर अभी भी पुरानी लाइन चालू है।
- जेएनआरयूएम में राइजिंग लाइन कैपिसिटी 500 एमएम डाया का है, जिसका एक्टेंशन सड्डू तक है। इस क्षेत्र तक फिल्टर प्लांट से भरपूर पानी की आपूर्ति का सिस्टम बना हुआ है, पर अमृत मिशन मेंआमासिवनी और कचना में नई टंकी को इसमें अतिरिक्त जोड़ा है। इसके साथ ही परसुलीडीह की हाउसिंग बोर्ड कालोनी, दलदल सिवनी बीएसयूपी आवासीय परिसर, लभांडी का आवासीय परिसर इसमें अतिरिक्त रूप से जोड़ा गया है। यही वजह है कि आमासिवनी और कचना की पानी टंकी को क्षमता अनुरूप नहीं भरा जा रहा है। टंकी कम भरने से अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच रहा।

तीन जोन ऐसे जहां नई व पुरानी पाइप लाइन से पानी आपूर्ति

जल बोर्ड और नगर निगम के जल विभाग ने हाल ही में पेयजल संकट की धरातल पर स्थिति जानने संयुक्त रूप से सर्वे किया, जिसमें यह पता चला कि दस जोन में से 3 जोन ऐसे हैं, जहां के वार्डों में नई व पुरानी पाइप लाइन दोनों से जल आपूर्ति की जा रही है। जोन 4, जोन 5 और जोन 6 में ऐसे वार्ड हैं, जहां अमृत मिशन और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के 24 घंटे जल आपूर्ति योजना के तहत करोड़ों रुपए खर्च कर नई पाइप लाइन बिछाई गई है, पर विडंबना ये है कि पुरानी पाइप लाइन से लोगों को भरपूर पानी मिल रहा है, जबकि नई पाइप लाइन से नलों में प्रेशर कम आने, अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंचने की शिकायत आ रही है। जल वितरण में व्याप्त इस खामी को दूर करने की जरूरत है। जल बोर्ड के सदस्य और जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र का कहना है, हमने ड्यूल लाइन वाले एरिया को चिन्हांकित कर लिया है, गर्मी सीजन के बाद इस पर काम किया जाएगा।

यूथ कांग्रेस को अगले माह मिलेंगे नए पदाधिकारी

एनएसयूआई के साथी अब प्रतिद्वंद्वी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश यूथ कांग्रेस को जल्द ही नए पदाधिकारी मिलेंगे। मई में सदस्यता अभियान प्रारंभ किए जाने की तैयारी है। अगले माह के प्रथम पखवाड़े में दिल्ली से टीम आएगी। यह कमेटी पद के आधार पर नाम तय करेगी। इसके पूर्व चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवार अपने नाम पेश करेंगे। प्रदेशाध्यक्ष सहित जिन पदों के लिए चुनाव होने हैं, उन सभी पदों के लिए कैंडिडेट्स लिस्ट कमेटी ही घोषित करेगी। चुनाव लड़ने अधिकतम आयु 35 वर्ष निर्धारित किए जाने की चर्चा है। आयु सीमा सहित अन्य नियमों की घोषणा भी दिल्ली से आने वाली कमेटी ही करेगी।

- **मई के पहले पखवाड़े में दिल्ली से आएगी टीम वह ही तय करेगी उम्मीदवारों के नाम**

इस बार ब्लॉक अध्यक्ष भी वोटिंग के माध्यम से चुने जाने की तैयारी है। अब तक ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर मनोनयन की परंपरा रही है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अब एनएसयूआई छोड़कर यूथ कांग्रेस प्रवेश की तैयारी में हैं।

2022 में पहली बार हुए थे ऑनलाइन चुनाव

यूथ कांग्रेस का पिछला चुनाव 2022 में हुआ था। यूथ कांग्रेस का चुनाव तीन सालों में कराए जाने का विधान है, लेकिन पिछली बार कोरोना की वजह से तीन के स्थान पर चार साल में चुनाव कराए गए। इस बार भी तीन के स्थान पर चार साल में यूथ कांग्रेस के चुनाव हो रहे हैं। 2022 में हुए चुनाव के दौरान चुनाव प्रक्रिया ऑनलाइन हुई थी। युवा कांग्रेस ने एक ऐप तैयार किया था। यूथ कांग्रेस से जुड़ने ने लिए ऐप डाउनलोड करना अनिवार्य था। यह पहली बार था जब यूथ कांग्रेस के चुनाव ऑनलाइन हुए। एक वोटर ने अलग-अलग पदों के लिए 5 वोट डाले थे। वहीं मेंबरशिप शुल्क के रूप में 50 रुपए प्रति व्यक्ति से लिए गए थे।

ये हैं दावेदार

अंदरुनी खेमों में जिन नामों पर चर्चा चल रही है उनमें प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए यूथ कांग्रेस के वर्तमान महासचिव भावेश शुक्ला, एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष शांतनु झा, महासमुंद नगरपालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू, मोतीलाल वोरा के पौत्र संदीप वोरा, अमरजीत भगत के पुत्र आदिल भगत के नाम प्रमुख हैं। इनमें से कुछ दावेदार राजनीतिक परिवारों से हैं। इनके अलावा राजनांदगांव से अभिषेक सिंह, आरंग से सकल चंद्राकर, भिलाई से आदित्य सिंह और बलौदाबाजार से शैलेन्द्र के भी विभिन्न पदों के लिए दावेदारी पेश करने के संकेत हैं। इनमें से कई दावेदार ऐसे हैं, जो एनएसयूआई के दौरान एक ही खेमे में थे और सहयोगी माने जाते थे। अब इनके मध्य भी अंदरुनी मतभेद की खबरें सामने आ रही हैं। वहीं वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष आकाश शर्मा के कांग्रेस की मुख्य धारा में जाने की तैयारी है। दिल्ली से आने वाली कमेटी का दौरा 7 मई को संभावित है। हालांकि इस संदर्भ में यूथ कांग्रेस द्वारा आधिकारिक घोषणा अब तक नहीं की गई है। यूथ कांग्रेस के मीडिया प्रभारी तुषार गुहा ने कहा, यूथ कांग्रेस चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। तिथि को लेकर संशय है। इस लेकर भी स्थिति शीघ्र स्पष्ट कर दी जाएगी।

निगम खरीदेगा एक और हाईराइजिंग मशीन, 32 मीटर ऊंचाई तक 10 से 12 माले की बिल्डिंग की बुझाई जा सकेगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर और उससे लगे इलाके में 10 से 12 माले की हाईराइजिंग बिल्डिंग में आकस्मिक आगजनी पर काबू पाने 32 मीटर ऊंचाई तक जाकर आग बुझाने वाली हाईराइजिंग मशीन अग्निशमन विभाग के पास उपलब्ध है। यह मशीन 9 साल पहले रायपुर नगर निगम ने पूर्व महापौर प्रमोद दुबे के कार्यकाल में 5 करोड़ रुपए में खरीदी थी। सबसे पहले इस मशीन का उपयोग कर कोतवाली क्षेत्र में एटी ज्वेलर्स के नए संस्थान निर्माण के समय लगी बड़ी आग पर काबू पाया गया। दूसरी घटना भनपुरी के पालिथीन फैक्टरी में आगजनी की हुई, जब भीषण आग पर 30 मीटर ऊंचाई तक जाकर आग बुझाने वाली हाईराइजिंग मशीन मददगार बनी। इसी तरह गोल बाजार के बंजारी मार्केट में लगी भीषण आग के समय टीटीएल हाईराइजिंग मशीन से आगजनी की बड़ी घटना पर नियंत्रण पाया गया।

- **पूर्व महापौर प्रमोद दुबे के कार्यकाल में हुई थी हाईराइजिंग मशीन की खरीदी**

दरअसल, रायपुर शहर में पहले मिट्टी की संरचना और सुरक्षा कारण से केवल 21 मीटर ऊंचाई तक बहुमंजिली बिल्डिंग बनाने की अनुमति नगर निगम से मिलती रही। यानी 8 से 10 माले की बिल्डिंग शामिल रही। निगम के विभागीय अधिकारियों के मुताबिक इस संबंध में नया नियम वर्ष 2022 में आने के बाद रायपुर नगर निगम ने हाईराइज बिल्डिंग की ऊंचाई की सीमा को 21 से बढ़ाकर 24 मीटर तक कर दिया। अब विशेष अनुमति के आधार पर 23 मंजिल या उससे अधिक की इमारत निर्माण को मंजूरी दी जा रही है। नवा रायपुर में बुनियादी ढांचा आधुनिक होने के कारण वहां आने वाले समय में छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची इमारतें देखने को मिलेंगी। इसमें कई डेवलपर्स वहां 25 से 30 मंजिल तक के लक्जरी स्काई विला प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। फिलहाल रायपुर में सबसे ऊंची सक्रिय इमारत 23 से 25 मंजिल के बीच है। जानकारों का कहना है कि आने वाले 2 से 3 सालों में यह आंकड़ा 30 मंजिल के पार जाने की संभावना है।

एनआरडीए खरीदेगा 60 मीटर क्षमता की हाईजिन राइजिंग मशीन, प्रस्ताव भेजा

वर्तमान में रायपुर में 32 मीटर ऊंचाई वाली टीटीएल हाई राइजिंग मशीन बहुमंजिली इमारतों के आकस्मिक आगजनी सुरक्षा के लिए उपलब्ध है। नया रायपुर के आसपास हो रहे विस्तार को देखते हुए एनआरडीए ने नई हाई राइजिंग मशीन क्रय करने शासन को प्रस्ताव भेजा है। इसके लिए 60 मीटर ऊंचाई तक की आग बुझाने की नई हाईराइजिंग मशीन क्रय की जाएगी। वॉलफोर्ट हाईट्स के अलावा संतोषीनगर, विधानसभा रोड इलाके में 15 से 18 मंजिला कई व्यावसायिक इमारतें पूरी तरह बनकर तैयार हैं। इसी तरह मैग्नेटो मॉल के पास अविनाश वन 19 से 23 मंजिल वाला अलग-अलग टावर बना रहा है। सूत्रों के मुताबिक इसकी ऊंचाई करीब 63 मीटर है। इसी तरह एवास नया रायपुर का यह प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ की अब तक की सबसे ऊंची आवासीय इमारत वाला प्रोजेक्ट माना जा रहा है।

रविवि परिसर में एबीवीपी मनाएगी केलकर जयंती

भूख हड़ताल पर बैठेगी एनएसयूआई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में 27 अप्रैल को एबीवीपी केलकर जयंती समारोह मनाएगी। जयंती कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही प्रारंभ हुए विवाद में अब एनएसयूआई भूख हड़ताल पर बैठेगी। यशवंतराव केलकर आरएसएस के सक्रिय कार्यकर्ता रहने के साथ एबीवीपी के संस्थापक रहे हैं। उनके जयंती समारोह के लिए विश्वविद्यालय के मंच एवं ऑडिटोरियम के उपयोग पर एनएसयूआई प्रारंभ से ही आपत्ति दर्ज करा रहा है। कार्यक्रम में देशभर से कार्यकर्ताओं के शामिल होने की सूचना है। एनएसयूआई ने इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ी विचारधारा को बढ़ावा देने वाला बताते हुए विरोध जताया है। एनएसयूआई के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए विश्वविद्यालय परिसर की निष्पक्षता एवं शैक्षणिक गरिमा बनाए रखने की मांग की थी।

- **एनएसयूआई ने विवि प्रबंधन पर लगाया विशेष विचारधारा को बढ़ावा देने का आरोप**

सभी को मिले मंच

एनएसयूआई ने कहा, विश्वविद्यालय एक स्वतंत्र शैक्षणिक मंच है, जहां सभी विचारों को समान अवसर मिलना चाहिए न कि किसी एक विशेष विचारधारा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यदि इस प्रकार के कार्यक्रमों में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया गया, तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। एनएसयूआई ने एनईपी एवं यूजीसी के दिशा-निर्देशों का उल्लेख करते हुए शैक्षणिक संस्थानों में निष्पक्ष एवं समावेशी वातावरण बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। एनएसयूआई के रविवि प्रभारी पुनेश्वर लहरे ने कहा, विवि को किसी विचारधारा विशेष के प्रभाव से मुक्त रहना चाहिए।

शादियों में इस बार कारोबार रहेगा मंदा, करोड़ों का कम होगा धंधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शादियों के सीजन में इस बार अप्रैल से जुलाई तक राजधानी रायपुर के साथ प्रदेशभर में जमकर खरीदारी तो जरूर होगी, लेकिन इस बार का सीजन बीते साल के सीजन से कम रहेगा। एक तरफ जहां महंगाई की मार सोने-चांदी से लेकर कपड़ों पर भी पड़ी है, वहीं एलपीजी गैस सिलेंडर की मारा-मारी के कारण शादियों में मेहमानों की संख्या कम होने के साथ खाने के आइटम भी कम हो गए हैं। ऐसे में इस बार हजार करोड़ का कारोबार कम होगा। सोने-चांदी के गहनों, कपड़ों, इलेक्ट्रॉनिक सामान के साथ बर्तन, फर्नीचर, कैटरिंग के साथ ही होटल, भवनों के किराए को मिलाकर सीजन में करीब दो हजार करोड़ का कारोबार होगा। अगर सामान्य समय रहता तो यह कारोबार तीन हजार करोड़ का हो जाता।

- **हर सेक्टर का बाजार होगा प्रभावित**

अक्षय तृतीया से शादियों का बड़ा सीजन प्रारंभ हो गया है। इस सीजन का सबको इंतजार रहता है। इसी सीजन में बहुत शादियां होती हैं। शादियों के हर वर्ग के लोग अपनी क्षमता के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं। महंगाई के कारण लोगों ने अपनी खरीदारी का तरीका बदला है और अपने बजट के हिसाब से ही सारे सामान ले रहे हैं।

सोने की कीमत ज्यादा, खरीदी आधा

शादियों के लिए सोने और चांदी के गहनों की थोक में बिक्री होती है। सराफा कारोबारियों के मुताबिक जुलाई तक के सीजन में 500 करोड़ से ज्यादा का कारोबार पूरे प्रदेश में होगा। यह कारोबार बीते साल से करीब तीन सौ करोड़ कम होगा। नए साल में सोने और चांदी की कीमत आसमान पर चली गई है। सोना जहां एक लाख 56 हजार है, वहीं चांदी के दाम दो लाख 55 हजार हैं। दाम ज्यादा होने के कारण फर्क इतना है कि लोगों ने अपने बजट के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं। रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू के मुताबिक सोने की कीमत को देखते हुए अब लोगों ने अपने बजट के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं। चांदी कारोबारी लक्ष्मी नारायण लाहोटी के मुताबिक चांदी में भी अब लाइटवेट जेवरो ज्यादा बिक रही है। चांदी के पांच से दस तोले के स्थान पर दो से तीन तोले के गहने लिए जा रहे हैं।

500 करोड़ का कपड़ा बाजार

प्रदेश का सबसे बड़ा राजधानी रायपुर का पंडरी कपड़ा बाजार इस बार लगातार गुलजार है। यहां पर रोज प्रदेश भर से लोग खरीदारी करने लगातार आ रहे हैं। शादियों के लिए भी जमकर खरीदारी हो रही है, लेकिन कपड़ों के 20 फीसदी तक महंगे होने के कारण इस बार कारोबार कम होगा। पंडरी कपड़ा एसोसिएशन के चंदर विधानी के पूरे सीजन में करीब चार से पांच सौ करोड़ का कारोबार पूरे प्रदेश में होने की संभावना है। अगर दाम नहीं बढ़ते तो 800 करोड़ से ज्यादा का कारोबार होता।

होटल, भवन, टेंट, कैटरर्स की भी चांदी

शादियों के मुहूर्त के हिसाब से पहले से ही होटल, भवन सब बुक हो गए थे। टेंट और कैटरिंग कारोबारी जसपाल सिंह होरा के मुताबिक पूरे सीजन में होटल, भवन, टेंट, कैटरिंग को मिलाकर करीब ढाई सौ करोड़ का कारोबार पूरे प्रदेश में होने की संभावना है। इस बार कारोबार बीते साल से थोड़ा कम होगा, क्योंकि गैस सिलेंडर की कमी के कारण लोग कम मेहमानों को बुला रहे हैं। इसी के साथ खाने के आइटम भी कम हो गए हैं। अगर पहले जैसी स्थिति रहती तो पांच सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार होता।

इलेक्ट्रॉनिक्स में महंगे आइटम का क्रेज

शादियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक आइटम की भी जमकर खरीदारी हो रही है। लक्ष्मी इलेक्ट्रॉनिक्स के संचालक राजेश वासवानी के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक्स में महंगे आइटम का ज्यादा क्रेज है, चाहे इसमें मोबाइल की बात हो, एसी, फ्रिज या फिर एलईडी टीवी की बात हो। हालांकि लोग अपने बजट के हिसाब से खरीदारी करते हैं, लेकिन महंगे आइटम अब गांव वाले भी खरीद रहे हैं। पूरे सीजन में चार सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार होने की संभावना है। कई आइटमों के दाम बढ़ने के कारण करीब दो सौ करोड़ का कारोबार प्रभावित होगा।

फर्नीचर और बर्तनों का 300 करोड़ का कारोबार

शादियों के लिए फर्नीचर और बर्तनों की भी जमकर खरीदारी हो रही है। आज महंगे फर्नीचर का ज्यादा क्रेज चल रहा है। डिजाइनर फर्नीचरों की ज्यादा डिमांड है। पूरा का पूरा सेट डिजाइन करने का ऑर्डर भी दिया जा रहा है। कारोबारियों के मुताबिक पूरे सीजन में प्रदेश भर में करीब तीन सौ करोड़ का कारोबार होने का अनुमान है।

पौने चार माह में 71 नई योजनाओं का पंजीयन

रियल एस्टेट में नए साल में योजनाओं ने पकड़ी रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रियल एस्टेट में नए साल के पौने चार माह में ही रिकॉर्डतोड़ 71 नई योजनाएं लांच हो गई हैं। यह साल बहुत ज्यादा अच्छा जाने के आसार हैं। कलेक्टर गाइड लाइन में बीते साल किए गए बड़े बदलाव के कारण दिसंबर में रियल एस्टेट की योजनाएं प्रभावित हो गई थीं, लेकिन बाद में प्रदेश सरकार ने रियल एस्टेट कारोबारियों की सुनी और गाइड लाइन और नियमों बदलाव किया गया, तो नई योजनाओं को नया जीवन मिल गया है।

बीते साल मंदी का दौर रहा, जहां इस बार घर कम बिके हैं, वहीं नई योजनाएं भी बीते साल कम लांच हुई। बीते साल 147 नई योजनाओं का ही रेरा में पंजीयन हुआ था, जबकि 2024 में 161 योजनाओं का पंजीयन हुआ था। 2023 में सबसे ज्यादा मंदी रही, क्योंकि 137 नई योजनाओं ही आईं, जबकि 2022 में रिकॉर्डतोड़ 273 योजना लांच हुई थीं। लेकिन अब नए साल 2026 में योजनाओं की रफ्तार तेज हो हो गई हैं।

बीते साल दिसंबर में सबसे कम योजनाएं

बीते साल की बात करें तो इस साल जनवरी और फरवरी में 11-11 योजनाओं का रेरा में पंजीयन हुआ। इसके बाद मार्च में 14, अप्रैल में 21, मई में 13, जून में 9, जुलाई में 10, अगस्त में 8, सितंबर में 10, अक्टूबर में 11 और नवंबर में जहां सबसे 22 योजनाओं का पंजीयन हुआ, वहीं दिसंबर में सबसे कम महज 7 योजनाएं आईं। कुल मिलाकर साल भर में 147 नई योजनाओं का रेरा में पंजीयन हुआ है। दिसंबर में सबसे कम योजनाओं का एक बड़ा कारण जमीन का गाइड लाइनों में बड़ा बदलाव रहा। जमीन की कीमत जहां बहुत बढ़ा दी गई थी, वहीं जमीन खरीदी की प्रक्रिया कठिन हो गई थी। लेकिन अब इसमें संशोधन होने के कारण रियल एस्टेट के कारोबारी खुश हैं और नए साल में ज्यादा पंजीयन हो रहा है। इस साल जनवरी मे 18,फरवरी में 14, मार्च में सबसे ज्यादा 28 और अप्रैल में अब तक 11 नई योजनाओं का पंजीयन हो गया है।

2022 में बना रिकॉर्ड

रियल एस्टेट से जुड़ी हर योजना को अब रेरा से मंजूरी लेनी पड़ती है। चाहे वह सरकारी योजना हो या फिर निजी योजना उनको रेरा में पंजीयन के बिना प्रारंभ नहीं किया जा सकता है। रेरा में जब फरवरी 2018 से पंजीयन प्रारंभ हुआ तो यही साल ऐसा रहा, जिसमें रिकॉर्डतोड़ 897 योजनाओं का पंजीयन हुआ। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि हर बिल्डर को अपनी पुरानी योजनाओं का भी पंजीयन कराना जरूरी था। दूसरे साल पुरानी और नई योजनाओं को मिलाकर 192 योजनाएं मंजूर हुईं। 2020 में कोरोना काल होने के बाद भी 100 नई योजनाओं का पंजीयन रेरा में हुआ। 2021 में पिछला रिकॉर्ड टूटा और 136 नई योजनाओं का पंजीयन हुआ। 2022 में योजनाओं की बाढ़ आई। इस साल 273 नई योजनाएं आईं। इसके बाद 2023 में योजनाओं की रफ्तार धीमी हो गई साल भर में महज 137 योजनाओं आईं। 2024 में योजनाओं की रफ्तार में कुछ इजाफा हुआ और साल भर में 161 नई योजनाएं आईं। फिर से 2025 में योजनाओं की रफ्तार धीमी हो गई। अब नए साल में भी ज्यादा योजनाएं आने की संभावना है।